thearyasamaj.org

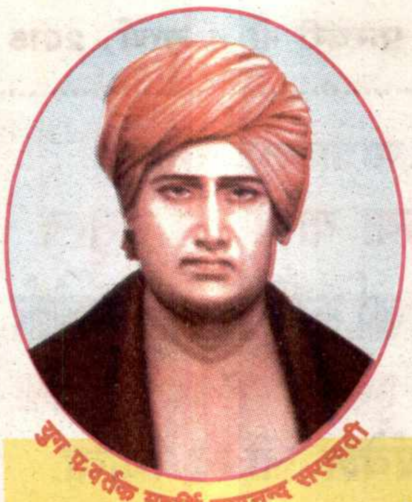

ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 10 अंक 2 | 26 फरवरी से 4 मार्च, 2015 | दयानन्दाब्द 192 | सृष्टि सम्वत् 1960853115 | सम्वत् 2071 | फा. शु.-08

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध राष्ट्रीय कार्यक्रम की हरियाणा से विधिवत शुरुआत

आगामी 13 अप्रैल से 23 अप्रैल तक उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं मध्य प्रदेश में निकाली जायेगी जन-चेतना यात्रा

कन्या भ्रूण हत्या विरोधी अभियान ने हरियाणा में मचाई धूम

महर्षि दयानन्द सरस्वती के जन्म दिवस 14 फरवरी, 2015 को पलवल से प्रारम्भ हुई प्रान्तीय बेटी बचाओ जन-चेतना यात्रा

कन्या भ्रूण हत्या करने व करवाने वालों पर दर्ज हो 302 का मुकदमा तथा जनप्रतिनिधियों एवं सम्बन्धित प्रशासनिक अधिकारियों की भी तय हो जवाबदेही

– स्वामी आर्यवेश

कन्या भ्रूण हत्या के कलंक को मिटाने के लिए सरकार हर सम्भव प्रयास कर रही है
– श्रीमती कविता जैन, बाल विकास मंत्री हरियाणा सरकार

लोगों को अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है –नीलम कासनी, मुख्य सचिव महामहिम राज्यपाल

कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध हमारा संघर्ष लम्बा जरूर चलेगा परन्तु अन्त में जीत हमारी ही होगी – बहन पूनम आर्या

हरियाणा में पूर्ण शराबबन्दी की चरणबद्ध रूपरेखा तैयार की जाए – स्वामी रामवेश

आर्य समाज ने हमेशा महिला अधिकारों की वकालत की है
– चौ. हरिसिंह सैनी, पूर्व मंत्री हरि. सरकार

नारी मानवीय मूल्यों की संरक्षिका है – बहन प्रवेश

ऐतिहासिक है यह जन-चेतना यात्रा – स्वामी श्रद्धानन्द

पिछले कई सालों से यह देखने में आ रहा है कि जानबूझ कर कन्याओं को जन्मते ही मार दिया जाता है अथवा माँ की कोख में ही कन्या-भ्रूण को बेरहमी से काट-छांट कर खत्म कर दिया जाता है। नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो० अमृत्य सेन ने इनको भारत की 'विलुप्त लड़कियों' के नाम से सम्बोधित किया है। इन हत्याओं का ग्राफ दिन-व-दिन ऊँचा उठता जा रहा है। सन् १९९१ में इन 'विलुप्त लड़कियों' की संख्या ढाई करोड़ के आस-पास थी। एक दशक के पश्चात यह आँकड़ा साढ़े तीन करोड़ को पार कर गया है और निरन्तर बढ़ता ही जा रहा है।

मादा भ्रूण हत्या का मूल कारण हमारी दूषित परम्पराओं का फलितार्थ माना जा सकता है। यद्यपि भारत में एक समय ऐसा भी था जब परिवार में कन्या के जन्म को शुभ माना जाता था क्योंकि इसे लक्ष्मी अर्थात् धन की देवी का आगमन समझा जाता था तथापि बाद में विशेषकर झूठी शान बघारने वाले समाज में स्तनपान करने वाली बच्चियों को अफीम पिला कर या गला घोंट कर मार दिया जाता था क्योंकि वे स्वाभिमान रक्षा में उसे बाधक मानते थे। लेकिन अब जब से जीवन में धन की सर्वोपरिता बढ़ी है और रोजगार के अवसर कम हुए हैं कन्याओं को बोझ समझा जाने लगा है क्योंकि उसके विवाह के लिए दहेज की मोटी रकम जुटानी पड़ती है यद्यपि दहेज लेना व देना कानूनन अवैध है। आधुनिक सोच पुत्रों को वरीयता देती है जो दहेज में मोटी रकम बटोर लाते हैं। इससे नर और मादा का अनुपात गड़बड़ा गया है जो एक गम्भीर समस्या के रूप में पूरे देश में सामने आ रहा है।

लिंग परीक्षणों और भ्रूण हत्याओं से उत्पन्न होने वाली मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं को समझे जाने की आज अत्यंत आवश्यकता है। यदि समाज में लड़कियों की संख्या तेजी से गिरेगी तो लड़कों के विवाह की समस्या सिर चढ़ कर बोलेगी। इस स्थिति में अपहरण और बलात्कार की घटनाएं बढ़ेंगी, लड़कियाँ पुनः घर की चारदीवारी में कैद होकर रह जायेंगी, उनकी खरीद-फरोक्त की कीमत आसमान छूने लगेगी, अनमेल विवाहों का दौर या सट्टा (करेवा) प्रथा या बहु-पति प्रथा फिर शुरू होगी, वेश्यावृत्ति को फलने-फूलने का अवसर मिलेगा, कानून व सुरक्षा की व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होगी। इससे परिवार में भावनात्मक सुरक्षा और आत्मीयता खत्म होगी, गृहस्वामिनी अकेलापन महसूस करेगी, मनुष्य मानसिक रूप से रोगी बन जायेगा। बार-बार के गर्भपात व भ्रूण-हत्या से नारी का स्वास्थ्य भी प्रभावित होगा और वह अकाल मृत्यु को प्राप्त होगी।

महान् समाज सुधारक स्वामी दयानन्द द्वारा १८७५ में स्थापित विश्व-व्यापी आध्यात्मिक आन्दोलन 'आर्य समाज' समर्पित भावना से वेद आधारित जीवन मूल्यों- समानता, सत्य, प्रेम, न्याय, सहनशीलता आदि की पुनर्स्थापना का संकल्प लेकर जिस आदर्श समाज की संरचना में संलग्न है उस समाज में भ्रूण हत्या जैसी बुराइयों के लिए कोई स्थान नहीं है। आर्य समाज के शिरोमणि संगठन सार्वदेशिक सभा के माननीय अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश जी इस समस्या को लेकर चिन्तित हैं कि कैसे समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर संगठित करके भ्रूण हत्या के विरुद्ध

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में निकाली गई बेटी बचाओ जन-चेतना यात्रा में उमड़ा जन-सैलाब

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

चण्डीगढ़ में 23 फरवरी को महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंप कर हुआ यात्रा का समापन

सार्वदेशिक सभा के यशस्वी प्रधान युवा संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी ने किया यात्रा का नेतृत्व

स्वामी चन्द्रवेश, स्वामी रामवेश, स्वामी श्रद्धानन्द जी, स्वामी विश्वानन्द, स्वामी चेतनानन्द, स्वामी दिव्यानन्द जी सहित अनेकों आर्य संन्यासियों का मिला आशीर्वाद

पलवल, फरीदाबाद, हिसार, सिरसा, जीन्द, रोहतक, सोनीपत, कैथल तथा करनाल में हुए धमाकेदार कार्यक्रम

बिट्स में यज्ञशाला का उद्घाटन स्वामी अग्निवेश जी एवं स्वामी आर्यवेश जी ने किया

150 जन सभाओं सहित 50 कॉलेज व विद्यालयों में हुआ कार्यक्रमों का आयोजन

50 हजार से ज्यादा छात्र एवं छात्राओं को स्वामी आर्यवेश जी ने दिलवाया संकल्प

हरियाणा के सभी 21 जिलों से होकर गुजरी प्रान्तीय बेटी बचाओ जन-चेतना यात्रा

कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध जंग का ऐलान

बेटी बचाओ अभियान की 21 कार्यकर्ताओं, बहनों सहित 75 संन्यासी एवं कार्यकर्ता रहे 10 दिन यात्रा में शामिल

सबसे सशक्त युवा संगठन सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् ने महिला समता मंच एवं बेटी बचाओ अभियान के सहयोग से किया यात्रा का सफल आयोजन

एक सार्थक एवं प्रभावी अभियान शुरू किया जाये जिससे इस बुराई का समूलतः उन्मूलन हो सके।

विश्व के समस्त सम्प्रदाय एक स्वर में भ्रूण हत्या की भर्त्सना कर चुके हैं तथापि कुछ अधर्मी लोग बहुत से सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत कारणों से इस पाप को पल्लवित कर रहे हैं।

वे शायद नहीं जानते या समझना ही नहीं चाहते कि कन्या भ्रूण हत्या अथवा गर्भपात जैसी बुराइयों के कितने भयानक दुष्परिणाम भावी पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। जब भावी समाज अनाचार, व्यभिचार और अराजकता का शिकार होगा तो वह वर्तमान पीढ़ी के रहनुमाओं पर लानत भेजेगा।

इस सम्भावित खतरे को टालने के लिए आज की पीढ़ी पर एक महत्वपूर्ण नैतिक जिम्मेदारी आ गयी है जिसे गम्भीरता और ईमानदारी से स्वीकारा जाना चाहिए। इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए हम उन सभी मानवता प्रेमियों और समाज सेवियों का आह्वान करते हैं जो भ्रूण हत्या को समाज का अभिशाप मानते हैं और इस बुराई को खत्म करने की इच्छा-शक्ति रखते हैं। माँ के गर्भ में पल रही असुरक्षित कन्याओं को बचा कर ही हम अपने समाज को सम्भावित खतरों से बचा सकते हैं।

इसी कड़ी में गत १४ फरवरी महर्षि दयानन्द सरस्वती के जन्म दिवस पर पलवल से चण्डीगढ़ तक प्रान्तीय बेटी बचाओ जन-चेतना यात्रा का आयोजन किया गया। कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध शंखनाद करने वाली यह यात्रा विशेष उपलब्धियों के साथ सम्पन्न हुई। १५० से ज्यादा जनसभाएं जिनमें ५० से ज्यादा स्कूल एवं कॉलेजों में लगभग ४० हजार से ज्यादा छात्र एवं छात्राओं ने संकल्प लिया। विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं तथा रैलियाँ निकालकर भी जागरूक किया। यात्रा का समापन आर्य समाज सैक्टर-१६डी चण्डीगढ़ में हुआ। इस समापन अवसर पर हरियाणा बाल विकास मंत्री श्रीमती कविता जैन ने शिरकत की। ४ बजे सायं का समय हरियाणा के महामहिम से मिलने का समय था परन्तु किन्हीं तकनीकी कारणों से यात्रा में शामिल सभी यात्रियों को एक साथ राज्यपाल भवन तक जाने की समस्या पैदा हो गई। जबकि राज्यपाल भवन में सारी व्यवस्था हो चुकी थी। परन्तु चण्डीगढ़ पुलिस वहां पर धारा-१४४ लगी होने के कारण वहां यात्रियों को लेकर जाने में असमर्थता दिखा रही थी। परन्तु राज्यपाल महोदय की प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्रीमती नीलम कासनी जी ने स्वामी जी से बात की और उन्होंने स्वयं कार्यक्रम स्थल पर आने का आश्वासन दिया। ठीक आधे घण्टे बाद वो स्वयं सैक्टर-१६ डी के आर्य समाज में पहुंची और ज्ञापन वहीं आकर लिया।

१४ फरवरी, २०१५ से प्रारम्भ हुई यह यात्रा हरियाणा के सभी २१ जिलों से होकर गुजरी। जहां पर भी पहुंची वहीं यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। हजारों युवाओं का जोश देखते ही बनता था। स्वामी आर्यवेश जी, बहन पूनम आर्या, बहन प्रवेश आर्या को सुनने के लिए लोग आतुर व उत्साहित थे। विभिन्न जन सभाओं को सम्बोधित करते हुए यात्रा का नेतृत्व कर रहे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने अपने उद्‌बोधन के द्वारा लोगों को झकझोर दिया। उनकी सोई संवेदनाओं को जगाने का काम किया। स्वामी जी ने जहां सरकार से कानून को सख्ती से लागू करने का आग्रह किया वहीं आम जनता से झोली फैलाकर कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अन्धविश्वास को मिटाने की भीख मांगी। उन्होंने सरकार से अपील की कि कन्या भ्रूण हत्या करने व करवाने वालों पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा-३०२ लगाई जाए। साथ ही कहा कि जनप्रतिनिधियों (सरपंच, वार्ड पार्षद, जिला प्रमुख, विधायक एवं सांसद) तथा सम्बन्धित प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। साथ ही जनता से आग्रह भी किया कि बेटियों के प्रति अपने नजरिये को बदलो उनको भी दुनियां में बराबरी का दर्जा दिलवाया जाए। बेटियां किसी भी क्षेत्र में आज कम नहीं है। आज इस मुद्दे पर सरकार भी गंभीर है। यदि जनता भी गम्भीर हो जाए तो हम बहुत जल्द इस कलंक को देश के माथे से मिटा सकते हैं। देश में यदि कन्या भ्रूण हत्या होती है तो वह समूची मानवता के प्रति, समूचे धर्म के प्रति, समूची नैतिकता के प्रति एक अक्षम्य अपराध है और इस अपराध में जो शामिल है निश्चय ही कहीं उन्हें शांति नहीं मिलेगी। इसलिए यदि सृष्टि को बचाना है तो बेटियों को भी बचाओ।

नशाबन्दी पर अपने विचार रखते हुए स्वामी जी ने कहा कि देश में नशाबन्दी की राष्ट्रीय नीति घोषित होनी चाहिए तथा हर माँ-बाप को अपने बच्चों को संस्कारित करना होगा ताकि वे बुराईयों से बच सके।

हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मन्त्री श्रीमती कविता जैन ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर गम्भीर है। माननीय प्रधानमंत्री जी भी पूरी ताकत लगाकर इस कलंक को देश के माथे से हटाना चाह रहे हैं। आर्य समाज द्वारा स्वामी आर्यवेश जी के सान्निध्य एवं बहन पूनम आर्या एवं बहन प्रवेश आर्या के नेतृत्व में चलाया जा रहा अभियान प्रशंसनीय कदम है। उन्होंने इस अभियान को हर प्रकार से सहयोग देने का आश्वासन दिया। स्वामी आर्यवेश जी द्वारा मुख्यमंत्री महोदय के समक्ष जो मांग रखी गई उन पर भी गम्भीरता से विचार करने का आश्वासन दिया।

महामहिम राज्यपाल जी की सहायक श्रीमती नीलम कासनी ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर सर्वप्रथम तो ज्ञापन लिया तदुपरान्त अपने उद्‌बोधन में कहा कि कानून से ज्यादा लोगों की मानसिकता बदलने से कन्या भ्रूण हत्या रोकी जा सकती है। क्योंकि यदि हमने किसी दबाव में लड़कियां पैदा करने के लिए माँ-बाप को बाध्य कर भी दिया तो उसका पालन-पोषण उतने चाव से नहीं हो पायेगा। हमें आज हर माँ-बाप को यह समझाने की आवश्यकता है कि महिलाएं भी पुरुषों के बराबर हैं। इसलिए इनको जीवन भीख नहीं अधिकार चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज महिलाओं को असुरक्षा का डर रहता है यह एक विचारणीय विषय है कि इनको आखिर डर किनसे है। वो लड़कों से है। आज दोनों को बचाने तथा संस्कारित करने की आवश्यकता है। आज लड़कों को भी इस रूप में तैयार करना पड़ेगा कि हर लड़की अपने आपको सुरक्षित मान सके।

नशाबन्दी परिषद् हरियाणा के प्रधान स्वामी रामवेश जी ने कहा कि हरियाणा में पूर्ण शराबबन्दी लागू की जाए। उन्होंने सरकार से मांग भी की कि एक साथ ना सही पर चरणबद्ध तरीके से शराबबन्दी लागू की जा सके। युवाओं से आह्वान करते हुए स्वामी जी ने कहा कि नशे से दूर रहना होगा वरना नशा तुम्हें बर्बाद कर देगा। उन्होंने युवाओं का नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण सबसे बड़ा खतरा बताया।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या ने कहा कि आज लोग धर्म, आध्यात्म एवं दर्शन की बहुत बातें करते हैं लेकिन जीवन में वह कहीं दिखाई नहीं देता। केवल पांडालों में बैठे लाखों लोगों पर प्रवचन झाड़ने का कोई अर्थ नहीं रह जाता यदि हमारे घरों में, माँ की कोख में ही किसी देवी की हत्या कर दी जाती है। मानवीय मूल्यों की रक्षा कुछ हो रही है तो महिलाओं के प्रयास, चरित्र व स्वभाव से हो रही है। यदि समाज में महिलाएं ही नहीं रहेंगी और उन्हें कन्या भ्रूण हत्या के लिए विवश किया जाता रहेगा तो वे मूल्य बचेंगे कैसे। परिवार सीमित करने का अर्थ मानवीय मूल्यों की कटौती कतई नहीं हो सकता। एक बच्चे के लिए सबसे सुरक्षित स्थान माँ की कोख होती है। लेकिन जल्लादों की नजर वहाँ तक जा पहुँची है तब मानव जाति का भविष्य कितना उज्ज्वल रह पायेगा। समाज में जब औरत का अस्तित्व ही नहीं रहेगा तो पुरुष पैदा कहां से होंगे। जिस कोख से आप और हम पैदा हुए हैं उस कोख का अस्तित्व जब खतरे में हो तो हम निष्क्रिय कैसे बैठ सकते हैं। हृदय परिवर्तन, मानसिक परिवर्तन, मस्तिष्क परिवर्तन की यह आंधी जब ही उठेगी जब जन-जन आन्दोलित होगा। इसलिए हमने अपनी पूरी ताकत बेटी बचाओ अभियान में लगा रखी है। हम जानते हैं कि बेटियों को बचाने की इस मुहिम संघर्ष बहुत लम्बा चलेगा परन्तु जीत हमारी ही होगी।

गांव मसूदपुर के सरपंच श्री नवरत्न को सम्मानित करते हुए स्वामी जी यहां पर 1000 लड़कों के पीछे 1700 लड़कियों का अनुपात है।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय उपप्रधान स्वामी श्रद्धानन्द जी ने कहा कि स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में निकाली जा रही इस यात्रा को जो सफलता मिली है उसने इस यात्रा को ऐतिहासिक बना दिया है। नर और नारी के बीच का लिंगानुपात जिस तेजी से बढ़ता जा रहा है उससे समाज व राष्ट्र के चरित्र की अग्नि परीक्षा भी हो रही है। इस उभरते संकट से एक आम आदमी की सोच बदलने की जो पहल स्वामी जी ने की है वह काबिले तारीफ है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह यात्रा आम आदमी की आत्मा और बुद्धि को अवश्य झकझोरेगी तथा उनमें बेटा व बेटी को समान समझने की सोच पैदा होगी।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजक बहन प्रवेश आर्या ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या निषेध का यह कार्यक्रम ऐसा है जिसमे समूचा आध्यात्म, दर्शन, नैतिकता और समूची मानवता निहित है। वास्तव में यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम है। परन्तु कोख मे बच्चियों को मरवाने वाले लोग यह नहीं जानते हैं कि वो एक वर्ग को दुनियां में आने से रोक रहे हैं। जिन्होंने समय-समय पर इस देश में आध्यात्म, सतीत्व, मानवता, नैतिकता, नेतृत्व की मशाल जलाकर समाज को प्रकाशित किया है। जिनसे भावी पीढ़ियाँ प्रेरणा लेती रही हैं। आज महिला हर क्षेत्र में अग्रणी बनकर अपनी मेधा, प्रज्ञा, सूझबूझ का परिचय दे रही है। मानवीय मूल्य उसी की वजह से सुरक्षित है। यदि इस अनमोल निधि को भगवान इस धरती पर भेजना चाहता है तो हम किस अधिकार भावना से इसमें दखल देना चाहते हैं।

आर्य नेता हरियाणा के पूर्व मंत्री चौ. हरिसिंह सैनी ने कहा कि महिला अधिकारों की सर्वप्रथम वकालत महर्षि दयानन्द एवं आर्य समाज ने ही की थी। यह यात्रा भी उसी कड़ी में शामिल है। स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा के परिणाम सकारात्मक निकलेंगे।

बंधुआ मुक्ति मोर्चा, नई दिल्ली के महामन्त्री प्रो. श्योताज सिंह ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या करने वाले न सिर्फ मानव की ही नहीं बल्कि मानवता की हत्या कर रहे हैं। परमात्मा के प्रति इस विद्रोह को रोकने का प्रयास है, यह बेटी बचाओ जन चेतना यात्रा।

सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री महेन्द्र शास्त्री ने कहा कि नशाबन्दी आन्दोलन को तेज करने की आवश्यकता है। जहाँ सरकारें सख्ती से नशाबन्दी लागू करे वहीं सामाजिक संगठन जागरूकता का काम करें।

बणी आश्रम पुण्डरी के संचालक स्वामी बलेश्वरानन्द जी ने कहा कि आज समाज में विभिन्न प्रकार की कुरीतियाँ फैल रही हैं। जिनको मिटाने के लिए सभी को संगठित प्रयास करने पड़ेंगे। दखोला गुरुकुल के आचार्य स्वामी विश्वानन्द, स्वामी चेतनानन्द (नागौर), पूर्व सांसद पं. रामजीलाल आर्य, डॉ. अनिल आर्य (दिल्ली), महेन्द्र भाई, चौ. राजेन्द्र बिसला (फरीदाबाद), डॉ. नरेन्द्र विवेक (पंचकूला), जितेन्द्र आर्य (बल्लभगढ़), डॉ. गजराज आर्या (फरीदाबाद), श्रीमती बिमला ग्रोवर (फरीदाबाद), बेगराज यादव (गुड़गांव), अतर सिंह स्नेही, पं. नरेशदत्त आर्य, डॉ. सत्यम (गाड़ौली), स्वामी लालदास जी (जैनाबाद) श्री ओ. पी. सिन्हा कुलपति, आर. पी. एस. महाविद्यालय, महेन्द्रगढ़, शक्तिपाल सिंह – बी. ई. ओ. महेन्द्रगढ़, विशन कुमार मित्तल जी –बी. ई. ई. ओ., महन्त चरणदास जी, अशोक भारद्वाज-राष्ट्रीय युवा अवार्डी, डॉ. भूप सिंह, ओम प्रकाश बहलवाला, चेयरमैन बिट्स भिवानी, शशि परमार – पूर्व विधायक, डॉ. किरण कलकल – बेरी, शिवकृष्ण आर्य-कलानौर, चौ. अजीत सिंह एडवोकेट-झज्जर, डॉ. शिव कुमार-सिविल सर्जन रोहतक, सत्यवती नांदला –डी. ई. ओ., प्रतिभा सुमन-प्रदेशाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, डॉ. श्यामदेव, अशोक आर्य-मदीना, सुभाष बल्हारा-महम, बलवन्त सिंह आर्य, भरतलाल शास्त्री-हांसी, शमसेर सिंह-लाडवा, दलवीर आर्य, मा. जयवीर, सूबेसिंह-पार्षद, कर्मवीर ढिल्लो-पार्षद आजाद नगर, हिसार, बजरंगलाल गोयल, महेन्द्र आर्य, कल्याणी आर्या, जगदीश सींवर, परमजीत शास्त्री, आचार्य हरिसिंह भूषण-मताना डिग्गी गुरुकुल, इन्द्रजीत आर्य-नरवाना, डॉ. भौमसिंह-बिठमड़ा, अशोक आर्य-खटकड़, हरीरा पांचाल-डी.ए.वी. जीन्द, डॉ. कुलबीर सिंह-भम्भेवा, प्रिं. आजाद सिंह, श्रीमती ज्योति जुनेजा-प्राचार्या, मधुबाला शास्त्री-पानीपत, लाजपत राय चौधरी, सतेन्द्र कुमार मोहन-प्रधान, स्वतन्त्र कुकरेजा-मंत्री, पप्रीतपाल-नीफा, पवन कुमार, राजपाल बहादुर-पुण्डरी, दर्शन सिंह-कैथल, डॉ. अतुल यादव-कुरुक्षेत्र, स्वामी सच्चिदानन्द, कु. अनीता आर्या-खरकड़ा, कु. पूजा आर्या-बोहर, कु. पूनम आर्या-महम, कु. कीर्ति आर्या-रोहतक, कु. मनीषा आर्या-महम आदि ने विभिन्न स्थानों पर अपने विचार रखे।

thearyasamaj.org

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में संचालित

बेटी बचाओ अभियान का संक्षिप्त परिचय

कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध आर्यसमाज के बढ़ते कदम

- अनेक कारणों से कन्या भ्रूण हत्या के बढ़ते प्रचलन पर कड़ा कदम उठाते हुए वर्ष 2004 में सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में दयानन्द मठ, रोहतक (हरियाणा) में 'कन्या भ्रूण हत्या विरोधी रैली' का आयोजन कर स्वामी अग्निवेश जी व स्वामी इन्द्रवेश जी ने इस समस्या को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर एक वैचारिक आन्दोलन शुरू करने पर बल दिया। इसके परिणाम में -
- 23 मई 2005 को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय आर्य कार्यकर्ता सम्मेलन के मंच पर आयोजित कन्या भ्रूण हत्या विरोधी सम्मेलन की अध्यक्षता प्रसिद्ध गांधीवादी नेता सुश्री निर्मला देशपाण्डेय ने की। सम्मेलन में डॉ. वेद प्रताप वैदिक बहन कलावती, श्रीमती अमृता कौर ने कन्या भ्रूण हत्या को सभ्य समाज पर कलंक बताते हुए इसे मिटाने का आह्वान किया।
- 1 नवम्बर 2005 दीपावली को महर्षि दयानन्द की जन्म स्थली टंकारा से 15 नवम्बर 2005 गुरूनानक जयंती के अवसर पर जलियाँवाला बाग अमृतसर तक कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध सर्वधर्म जन चेतना यात्रा स्वामी इन्द्रवेश जी व स्वामी अग्निवेश जी के नेतृत्व में निकाली गई। यह यात्रा टंकारा से चलकर सुरेन्द्रनगर, अहमदाबाद, हिम्मतनगर, उदयपुर, निम्बाहेड़ा, चितौड़गढ़, ब्यावर, अजमेर, जयपुर, बहरोड़, धारूहेड़ा, गुड़गांव, दिल्ली, सोनीपत, रोहतक, महम, हांसी, हिसार, बरवाला, जींद, नरवाना, कैथल, पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, अम्बाला, फतेहगढ़ साहब, चण्डीगढ़, रूपनगर, चमकौर साहब, लुधियाना, फगवाड़ा, गुरदासपुर, कादियाँ, जालन्धर, अमृतसर पहुंची। इसमें अनेकों धार्मिक, सार्वजनिक व सामाजिक नेताओं ने अपना सम्बोधन दिया। अनेकानेक सम्प्रदायों वर्गों, सामाजिक संस्थाओं, केन्द्रीय स्वास्थ्य मन्त्रालय, हरियाणा, पंजाब सरकार तथा यूनिसेफ ने आर्थिक व नैतिक सहयोग दिया देश-विदेश के अनेक जागरूक संगठन की इस यात्रा में सहभागी रहे। इस अभूतपूर्व जन चेतना-यात्रा का सफल संयोजन श्री जगवीर सिंह (वर्तमान स्वामी आर्यवेश जी) ने किया। इसमें लगभग पांच लाख लोगों ने संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर कर कन्या भ्रूण हत्या रोकने का संकल्प लिया।
- जनवरी 2006 में अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खां के बलिदान दिवस पर जींद में स्वामी इन्द्रवेश जी की अध्यक्षता में आयोजित प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन में कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध जमकर विचार-मंथन हुआ। हरियाणा के वितमन्त्री चौ० विरेन्द्र सिंह ने इस अवसर पर बेटी बचाओ अभियान को सफल बनाने के लिए हर सम्भव सहायता देने को कहा।
- 2 फरवरी 2006 को नरवाना में चौ० छोटूराम जयंती पर 'बेटी बचाओ' विषय पर विशाल जन सभा में लगभग पच्चीस हजार श्रोताओं ने भाग लिया। इस सभा में स्वामी इन्द्रवेश जी, स्वामी अग्निवेश जी, स्वामी गोरक्षानन्द जी, पंजाब के तत्काल मुख्यमन्त्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह, चौ० विरेन्द्र सिंह, श्री विनोद शर्मा, मणिराम गोदारा, जयप्रकाश सांसद, चौ० घासीराम नैन, खुर्शीद अहमद, किरण जीत सन्धु ने सम्बोधित किया। कैप्टन अमरेन्द्र सिंह ने कन्याभ्रूण हत्या विरोधी जन चेतना यात्रा को इस अवसर पर हरी झण्डी दिखाई तथा पंजाब में इस तरह की यात्रा करने की प्रार्थना की। यह यात्रा 2 फरवरी, नरवाना से सिरसा, फतेहाबाद, तोशाम, भिवानी, दादरी, लौहारू, महेन्द्रगढ़, नारनौल, रेवाड़ी, धारूहेड़ा, तावडू, सोहना, पलवल, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, गुड़गाँव, कोसली, झज्जर, बादली, बहादुरगढ़, फरमाणा, भैंसवाल, गोहाना आदि होते हुए रोहतक पहुंची। स्वामी इन्द्रवेश जी की उपस्थिति में इस चर्चित सफल यात्रा का नेतृत्व श्री जगवीर सिंह (वर्तमान स्वामी आर्यवेश) जी ने किया।
- 10 दिसम्बर 2006 को अर्बन एस्टेट जीन्द में आयोजित आर्य महासम्मेलन में स्वामी अग्निवेश जी की अध्यक्षता में मुख्यमन्त्री चौ० भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कन्याभ्रूण हत्या हरियाणा के माथे पर कलंक करार देते हुए इसे मिटाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने 'बेटी बचाओ अभियान' के सराहनीय कदम की प्रशंसा की तथा लगभग 10 लाख रूपये की इनोवागाड़ी 'बेटी बचाओ रथ' स्वामी अग्निवेश जी को भेंट की। जिसको कन्याभ्रूण हत्या के विरूद्ध प्रचार-प्रसार के लिए कु० पूनम आर्या व प्रवेश आर्या को समर्पित किया।
- 12 जून 2007 सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के बैनर के नीचे स्वामी इन्द्रवेश जी की प्रथम पुण्यतिथि पर रोहतक छोटूराम स्टेडियम में आर्य महासम्मेलन में पाँच हजार छात्र-छात्राओं ने उपस्थिति दर्ज कर हरियाणा में बेटी बचाओ अभियान को नई गति देने का संकल्प लिया। इसमें स्वामी अग्निवेश, केन्द्रीय मन्त्री, मणीशंकर अय्यर, मुख्यमन्त्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, चौ० विरेन्द्र सिंह, सुश्री करतार देवी, स्वामी ओमवेश इत्यादि ने सम्बोधित किया। इसका संयोजन व संचालन स्वामी आर्यवेश जी ने किया।

  हरियाणा में कु० पूनम आर्या व प्रवेश आर्या द्वारा बेटी बचाओ रथ को लेकर गांव, स्कूल, कॉलेजों में प्रचार निरन्तर चलता रहता है।
- दिसम्बर 2007 सिवानी जिला हिसार में सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रि० धूपसिंह की अध्यक्षता में 'बेटी बचाओ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया व इसका संचालन अशोक एडवोकेट ने किया तथा पांच हजार श्रोताओं ने भाग लिया। मुख्य वक्तव्य स्वामी आर्य वेश जी ने दिया।

  दिसम्बर 2007 सुरेहती जाखल जिला महेन्द्रगढ़ में बेटी बचाओ सम्मेलन में लगभग 15 गांवों के लोगों ने भाग लिया तथा स्वामी आर्यवेश जी के मार्मिक उद्बोधन से प्रभावित होकर लोगों ने इस अभियान से जुड़ने का संकल्प लिया। चौ० धर्म सिंह भालौठिया व बहन पूनम आर्या ने अपने विचार रखे। इसका संचालन श्री रामपाल शास्त्री ने किया।
- जनवरी 2008 में आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद की धरती पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के उद्घाटन समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभादेवी सिंह पाटिल ने बेटी बचाओ अभियान को ओर तेज करने को कहा। इस कार्यक्रम का समापन श्रीश्री रविशंकर जी ने किया। अध्यक्षता स्वामी अग्निवेश जी ने की सफल संचालन स्वामी आर्यवेश ने किया तथा संयोजन श्री विट्ठलराव जी ने किया।
- 3 फरवरी 2008 से 12 फरवरी 2008 तक स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में पुनः कन्याभ्रूण हत्या, दहेज, नशाखोरी के विरूद्ध सर्वधर्म जन चेतना यात्रा फरीदाबाद से शुरु होकर, बल्लभगढ़, होडल, बहीन, नूँह, तावडू, सोहना, गुड़गांव, पटौदी, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, बहल, भिवानी, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, टोहाना, जीन्द, गोहाना, खानपुर, सोनीपत, खरखौदा, रोहणा, छारा, भापड़ौदा, झज्जर, बेरी, दूबलधन, सुण्डाणा, महम, फरमाणा, सांघी, लाढ़ोत, सिंहपुरा आदि नगरों, कस्बों, गांवों से होते हुए रोहतक पहुँची। अनेक धर्माचार्य समाज सेवी नेताओं ने जगह-जगह पर सम्बोधित किया।
- युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी इन्द्रवेश जी के 71वें जन्मदिवस 13 मार्च 2008 से 6 अप्रैल 2008 तक लगातार 25 दिन तक कन्याभ्रूण हत्या के विरूद्ध संकल्प लेने हेतु चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का आयोजन बलदेव भवन रोहतक में किया गया। इसकी अध्यक्षता स्वामी आर्यवेश जी ने की तथा संयोजन कु० पूनम आर्या ने किया।
- मई 2008 में कु० पूनम आर्या, कु० प्रवेश आर्या व श्रीमती सुशीला आर्या द्वारा श्रीमती सुषमा सी.डी.पी.ओ. के सहयोग से सांपला रोहतक ब्लॉक के 27 गांवों में बेटी बचाओ संकल्प यज्ञ करवाकर गांव के हजारों महिला पुरुषों को बेटी बचाने का संकल्प दिलवाया।
- मई 2008 में सात प्रान्तों के लगभग 700 नवयुवकों ने 7 दिवसीय शिविर में भाग लेकर गुरूकुल सिंह पुरा रोहतक में स्वामी आर्यवेश जी के सम्बोधन से प्रभावित होकर कन्याभ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराईयों के विरूद्ध संकल्प लिया।
- जून 2008 में महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय रोहतक 700 कन्याओं ने भाग लेकर अन्तिम दिन रोहतक शहर में कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध नारे लगाते हुए रैली निकालकर जागृत किया तथा 12 जून को स्वामी इन्द्रवेश जी की द्वितीय पुण्य तिथि पर हजारों छात्र-छात्राओं ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने का संकल्प लिया।
- अक्टूबर 2008 को गांव कसेरवा खुर्द मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश में स्वामी आर्यवेश जी के ब्रह्मत्व में बेटी बचाओ संकल्प हेतु चतुर्वेदपारायण महायज्ञ का आयोजन श्री अरविन्द जी ने किया।
- 25 दिसम्बर 2008 में आर्य संन्यासी स्वामी अग्निवेश जी की अध्यक्षता में आर्य अनाथालय भिवानी में पांच हजार युवाओं ने कन्याभ्रूण हत्या दहेज व नशाखोरी के विरूद्ध संकल्प लिया। इसका संचालन एवं संयोजन स्वामी आर्यवेश जी ने किया।
- जनवरी 2009 में रोहतक जिले के गाव फरमाणा, मोखरा, जिंदराण, रिठाल, लाखनमाजरा, लाहली व रोहतक शहर में कन्या भ्रूण हत्या विषय पर सेमिनार।
- 13 मार्च 2009 से 23 मार्च 2009 तक स्वामी इन्द्रवेश जी के जन्मदिवस से शहीदेआजम भगत सिंह व स्वामी ओमानन्द के शहादत के दिन तक बेटी बचाओ संकल्प चतुर्वेद पारायण यज्ञ बलदेवभवन सुभाष रोड, रोहतक में किया गया। इसमें स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में अनेको गांवों के मुखिया, शिक्षाविदों, वकीलों व डॉक्टरों ने आहूति डालकर बेटी बचाने का संकल्प लिया।
- 12 जून 2009 को स्वामी इन्द्रवेश जी की तृतीय पुण्यतिथि पर चौधरी मित्रसेन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी अग्निवेश जी व आर्यवेश जी के नेतृत्व में रोहतक शहर में नारे लगाते हुए हजारों युवा दयानन्द मठ पहुँचे तथा कु० पूनम आर्या ने सभी को बेटी बचाओ अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

  नवम्बर 2009 में लौहारू भिवानी के ज्ञानकुंज विद्या मन्दिर, चौ० बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय सहित अनेक जगहों पर कु० पूनम आर्या व प्रवेश आर्या ने कन्याभ्रूण हत्या के विरूद्ध जनजागरण किया इसका संयोजन राजेश, नरेन्द्र, रामअवतार, पीताम्बर, संजीत व उनकी टीम ने किया।
- दिसम्बर 2009 में जीन्द में स्वामी रामवेश जी के संयोजन में आर्य महासम्मेलन में कु० पूनम आर्या का बेटी बचाने का आह्वान।
- 12 मार्च 2010 से 13 अप्रैल 2010 तक कुंभ मेला हरिद्वार में बेटी बचाओ संकल्प चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में लाखों श्रद्धालुओं ने आहूति डाल कर संकल्प लिया।
- 12 जून 2010 को स्वामी इन्द्रवेश जी की चतुर्थपुण्यतिथि पर 6 जून से 12 जून तक कु० पूनम आर्या की अध्यक्षता व कु० प्रवेश आर्या के संयोजन में हजारों युवतियों ने महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय, रोहतक में बेटी बचाने का संकल्प लिया।

  अगस्त 2010 में गोहाना सोनीपत ब्लॉक के गांव रूखी, गोहाना शहर में सी.डी.पी.ओ. सन्तोष कटारिया के सहयोग से कु० पूनम की अध्यक्षता में बेटी बचाओ अभियान के कार्यक्रम।
- अगस्त 2010 में वैद्य रमेश योगाचार्य के सहयोग से गांव माछरौली, राजकीय पॉलिटेकनिक झज्जर, आर्य समाज झज्जर, डाबोदा खुर्द, झज्जर में बेटी बचाओ अभियान के कार्यक्रम।
- सितम्बर 2010 में श्री बलवीर शास्त्री के सहयोग से गांव जसराणा, बिलबिलान, भैंसवाल के राजकीय विद्यालय में बेटी बचाओ अभियान के तहत कु० पूनम आर्या व प्रदेश आर्या द्वारा व्याख्यान।
- सितम्बर 2010 पातञ्जलि योग समिति द्वारा चौ० मित्र सेन जी अध्यक्षता में आयोजित शिविर में कु० प्रवेश आर्या ने बेटी बचाओ अभियान से जुड़ने का संकल्प दिलवाया।
- सितम्बर 2010 में राजकीय महाविद्यालय लोहारू भिवानी, बिलावल में बेटी बचाओं अभियान के कार्यक्रम।

  राजकीय महाविद्यालय जुलाना जींद कु० मन्जू के संयोजन

thearyasamaj.org

में बेटी बचाओ विषय पर कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश आर्या का व्याख्यान।

- अक्टूबर 2010 में गांव खरैंटी में स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में बेटी बचाओ संकल्प यज्ञ।
- नवम्बर 2010 दून वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 5000 युवक-युवतियों ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संकल्प लिया। इसका सफल संचालन स्वामी आर्यवेश जी ने किया तथा स्वामी अग्निवेश, स्वामी सुमेधानन्द, स्वामी ओ३मवेश, स्वामी यतिश्वरानन्द श्री विरजानन्द, प्रि॰ आजाद सिंह, सुश्री नताशा शर्मा, रणदीप सुरजेवाला, कु॰ पूनम आर्या इत्यादि ने सम्बोधित किया।
- जनवरी 2011 में रोहतक जिले के गांव रिठाल, फरमाणा व इस्माईला में बेटी बचाओ अभियान के तहत दो-दो दिन के सेमिनार।
- 21 फरवरी 2011 से 26 फरवरी तक स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व व स्वामी रामवेश जी के सानिध्य में दून वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सोनीपत से आर्य स्कूल काठमण्डी, बईयांपुर, भदाना, खरखौदा, सिसाना, सिलाना, फरमाणा, भैंसवाल, नगर, गोहाना, गंगाना, नूरनखेड़ा, भम्भेवा, लुदाना, रधाना, जींद, जंक्शन, जाजवान, बरसोला, खटकड़, बड़ौदा, उचाना, कौथकलां, मतलौढ़ा, बरवाला, राजली, भटला, सिसाय, गेगन खेड़ी, खोखा, हांसी, आलमपुर, तोशाम, कैरू, जुई, कुड़ल, ढिगावा, सिंघानी, बरालू, लौहारू, सतनाली, तजनवास, गादड़िया, महेन्द्रगढ़, उनहानी, कनीना, उहीना नैनावाद, कंवाली, बेरली चौंक, धड़ौली छोटी बीकानेर, कोका, कुलाना, खुडन, माछरौली, सिलानी, झज्जर रईया-डावला तक कन्याभ्रूण हत्या व नशाखोरी के विरुद्ध सर्वधर्म जन जागरण यात्रा निकाली जाएगी।
- मार्च 2011 में : 13 मार्च से 27 मार्च तक स्वामी इन्द्रवेश जी की स्मृति में बलदेव भवन, सुभाष मार्ग, रोहतक में 'बेटी बचाओ' संकल्प हेतु चतुर्वेद पारायण, महायज्ञ में, स्वामी इन्द्रवेश जी, स्वामी अग्निवेश जी, स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी इत्यादि आर्य संन्यासियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा सभी अल्ट्रासाऊण्ड के मालिकों सहित लाखों लोगों ने आहूति डाल कर बेटी बचाने का संकल्प लिया।
- 21 अप्रैल 2011 को प्रिंसिपल सरोज राणा के सहयोग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र, रोहतक में 'कन्या भ्रूण हत्या विषय' पर कु॰ पूनम का व्याख्यान।
- 29 अप्रैल 2011 को भारत स्वाभिमान द्वारा आयोजित कार्यक्रम शिवाजी कॉलोनी, रोहतक में बेटी बचाओ विषय पर व्याख्यान।
- 2 मई 2011 को पानीपत जिले के गांव परढ़ाना में आंगनबाड़ी वर्कर श्रीमति राजबाला के सहयोग से 'बेटी बचाओ' यज्ञ का आयोजन।
- 8 मई 2011 को सोनीपत जिले के गाव घिलौड़ में श्री रविन्द्र देशवाल पार्षद के सहयोग से 'बेटी बचाओ' यज्ञ का आयोजन।
- मई 2011 में गांव कबूलपुर, बालन्द, खरकड़ा, मदीना, मोखरा के राजकीय विद्यालयों में कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध संकल्प दिलवाया।
- 6 जून से 12 जून तक महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय में 7 दिवसीय आवासीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर का आयोजन।
- 11 जून को स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में रोहतक शहर में बेटी बचाओ शोभा यात्रा का आयोजन।
- 18 जुलाई 2011 के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बोहर (रोहतक) में 'बेटी बचाओ' अभियान की कार्यकर्ताओं द्वारा संकल्प यज्ञ।
- जून 2011 में सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् द्वारा आयोजित सैंकड़ों चरित्र निर्माण शिविरों में ब्र॰ दीक्षेन्द्र द्वारा बेटी बचाने का संकल्प दिलवाया गया।
- 4 अगस्त 2011 को झज्जर जिले के बेरी खण्ड में श्रीमति सुषमा सी.डी.पी.ओ. के सहयोग से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेरी में बेटी बचाओ सम्मेलन का आयोजन।
- 9 अगस्त 2011 - झज्जर जिले के साल्हावास खण्ड में श्रीमति बबीता, सी.डी.पी.ओ. के सहयोग से बेटी बचाओ कार्यक्रम का आयोजन।
- 13 अगस्त 2011 से 15 अगस्त तक बेटी बचाओ अभियान की कार्यकर्ताओं का विशेष प्रशिक्षण शिविर वैदिक भक्ति साधन आश्रम रोहतक में।
- 31 अगस्त 2011 को रोहतक जिले के गांव खरकड़ा में बेटी बचाओ अभियान की कार्यकर्ताओं द्वारा 'कन्या भ्रूण हत्या विषय' पर पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।
- 1 सितम्बर 2011 में राजकीय महिला महाविद्यालय में कु॰ पूनम आर्या द्वारा व्याख्यान एवं संकल्प।
- सितम्बर 2011 में वैदिक मोहन आश्रम, हरिद्वार में आचार्य अरविन्द जी द्वारा बेटी बचाओ संकल्प हेतु चतुर्वेद पारायण यज्ञ में हजारों लोगों ने आहूति डालकर बेटी बचाने का संकल्प लिया।
- 21 अक्तूबर 2011 को सोनीपत जिले के गांव मटिण्डू की चौपाल में कन्या कॉलेज, खरखौदा की छात्राओं के सहयोग से 'बेटी बचाओ' कार्यक्रम का आयोजन।
- 16 नवम्बर 2011 को कु॰ मंजू आर्या के सहयोग से राजकीय महाविद्यालय, जुलाना (जींद) में कन्या भ्रूण हत्या विषय पर कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या का व्याख्यान।
- 11 दिसम्बर 2011 को स्वामी रामवेश जी के संयोजन में कन्या भ्रूण हत्या एवं नशाखोरी के विरूद्ध प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन का अयोजन अर्बन एस्टेट जींद में।
- 23 दिसम्बर 2011 को स्वामी आर्यवेश की अध्यक्षता में आर्य समाज नरवाना व आर्य कन्या सी.सै. स्कूल द्वारा आयोजित बेटी बचाओ सम्मेलन।
- जनवरी 2012 में श्री रोहताश नरवाल के सहयोग से गांव रिठाल के राजकीय मॉडल सी.सै. स्कूल में बेटी बचाओ यज्ञ व व्याख्यान का कार्यक्रम हुआ।
- 10 फरवरी 2012 कन्या महाविद्यालय खरखौदा (सोनीपत) में 'कन्या भ्रूण हत्या' विषय पर कु॰ पूनम आर्या का व्याख्यान।
- 26 फरवरी 2012 से 11 मार्च तक स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ टिटौली, रोहतक में 'बेटी बचाओ' संकल्प हेतु 'चतुर्वेद पारायण महायज्ञ' का आयोजन किया गया इसमें स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में तथा स्वामी चन्द्रवेश जी के ब्रह्मत्व में आर्य सन्यासी स्वामी अग्निवेश जी दिल्ली, स्वामी सुमेधानन्द जी, चम्बा, स्वामी दिव्यानन्द जी हरिद्वार, स्वामी रामवेश जी जींद, स्वामी यतिश्वरानन्द जी विधायक, हरिद्वार, स्वामी ओ३म्वेश जी पूर्व विधायक बिजनौर, स्वामी श्रद्धानन्द जी पलवल, आचार्य हरिदत्त जी रोहतक, स्वामी प्रणवानन्द जी दिल्ली व आर्य समाज के सैंकड़ों आर्य नेताओं की उपस्थिति में लाखों लोगों ने आहूति डालकर बेटी बचाने का संकल्प लिया।
- मार्च 2012 में दैनिक भास्कर समूह द्वारा आयोजित 'बेटी बचाओ' सेमिनार, कैण्डल मार्च व रैली में मुख्य रूप से भाग लिया तथा कु॰ पूनम आर्या द्वारा हजारों लोगों को बेटी बचाओ अभियान से जुड़ने का संकल्प दिलवाया गया।
- मई 2012 में गांव मोखरा, मदीना, महम, खरकड़ा, भैणीचन्द्रपाल, फरमाणा, निंदाना, खरैंटी, बोहर, रिठाल, ईस्माईला के राजकीय विद्यालयों में कु॰ पूनम आर्या व प्रवेश आर्या का व्याख्यान।
- जून 2012 में 6 जून से 12 जून तक समस्त हरियाणा की पांच सौ कन्याओं का रिहायशी शिविर का आयोजन कियागया जिसमें 11 जून को रोहतक शहर में बेटी बचाओ शोभा यात्रा निकाली गई तथा पूरा शहर बेटी बचाओ देश बचाओ के नारों से गूंजता रहा।
- 10 अगस्त 2012 को 10 हजार लोगों की उपस्थिति में श्री कुलदीप विश्नोई की अध्यक्षता में गुरू जम्भेशवर महाराज की स्मृति में हिसार में आयोजित कार्यक्रम में स्वामी आर्यवेश द्वारा व्याख्यान के माध्यम से बेटी बचाने का संकल्प।
- 10 अगस्त से 12 अगस्त तक बेटी अचाओ अभियान की सौ कार्यकर्ता बहनों का विशेष शिविर कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या के संयोजन में रोहतक में किया गया।
- 15 अगस्त 2012 - माता पार्वती की पुण्य स्मृति में श्री रामअवतार यादव (वठ्ठे) के संयोजन में गांव चंदपुरा, रेवाड़ी में बेटी बचाओ अभियान का कार्यक्रम, मुख्य वक्ता स्वामी आर्यवेश जी, कु॰ पूनम आर्या, कु॰ प्रवेश आर्या व अध्यक्षता स्वामी सुधानंद योगी की रही।
- अक्तूबर 2012 में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय महासम्मेलन दिल्ली में कु॰ प्रवेश आर्या के संयोजन में 'नारी शक्ति सम्मेलन' का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता श्रीमति शकुन्तला पूर्व महापौर दिल्ली ने की तथा मुख्य अतिथि श्रीमति मेनका गाँधी रहीं।
- 29 अक्तूबर 2012 को सैनिक शिक्षण समिति रिठाल द्वारा कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश आर्या का सम्मान।
- 9 दिसम्बर 2012 को प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन जींद में कन्या भ्रूण हत्या विरोधी सम्मेलन की अध्यक्षता स्वामी ओमवेश पूर्व विधायम बिजनौर ने की तथा सम्मेलन का उद्घाटन श्री सुभाष श्योराण, इंडस पब्लिक स्कूल ने किया। मुख्य वक्ता - कु॰ प्रवेश आर्या, कु॰ पूनम आर्या, ब्रह्म॰ दीक्षेन्द्र आर्य, श्रीमति जगमति मलिक युवा अवार्डी व आचार्य सन्त राम जी रहे। संयोजन स्वामी रामवेश जी का रहा। मुख्य उद्बोधन स्वामी आर्यवेश जी का रहा।
- 22 दिसम्बर 2012 को प्रिंसिपल धर्मपाल पांचाल के सहयोग से बेटी बचाओ अभियान की टीम द्वारा रा0क0व0मा0 विद्यालय जुलाना में एक दिवसीय बेटी बचाओ विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से डॉ॰ बलबीर आर्य, कु॰ पूनम आर्या, कु॰ प्रवेश आर्या, कु॰ शशि आर्या, कु॰ इन्दु आर्या, कु॰ सोनिया व कु॰ मंजू आर्या उपस्थित रही।
- दिसम्बर 2012 में रोहतक जिले के गांव सैमाण में बेटी के जन्म पर कुआँ पूजन का आयोजन श्रीमति पूनम के घर हुआ। संयोजन सी.डी.पी.ओ. बीरमति देवी ने किया तथा ब्रह्मत्व कु॰ पूनम आर्या व प्रवेश आर्या का रहा।
- 14 जनवरी 2013 को स्वामी अग्निवेश जी के नेतृत्व में गाँव बहल्पा जिला गुड़गांव में यज्ञ के माध्यम से सैंकड़ों ग्रामीण वासियों को यज्ञ के माध्यम से बेटी बचाओ का संकल्प दिलवाया गया।
- 15 जनवरी 2013 को महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा गाँव टिटौली में 'बेटी है घर की शान' नाम नाटक के माध्यम से सभी ग्रामीण वासियों को संदेश दिया गया कि बेटी बिना संसार अधूरा है। इस कार्यक्रम का मुख्य संयोजन कु॰ प्रवेश आर्या ने किया व अध्यक्षता कु॰ पूनम आर्या ने की। इस अवसर पर डॉ॰ वीना फौगाट व डॉ॰ सुमन जाट्यान भी उपस्थित थी।
- 26 जनवरी 2013 को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा आयोजित अशोक विहार नई दिल्ली में महिला सम्मेलन के माध्यम से कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या द्वारा कन्या भ्रूण हत्या विषय पर व्याख्यान।
- 10 फरवरी 2013 को राज्य कर्मचारी महासंघ जालौर राजस्थान द्वारा 'स्नेह मिलन' समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान 'बेटी है अनमोल रत्न' इस विषय पर संगोष्ठी हुई जिसमें कु॰ पूनम आर्या मुख्य वक्ता व कु॰ प्रवेश आर्या वक्ता के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम का संयोजन दलपत सिंह आर्य ने किया व मंच संचालन भाई शिवदत्त आर्य ने किया।
- 24 फरवरी 2013 से 10 मार्च 2013 तक बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, गांव टिटौली, रोहतक में आयोजन किया गया जिसमें स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में सैंकड़ों गांवों के मणमान्य व्यक्तियों, डॉक्टरों, वकीलों, अध्यापकों आदि को यज्ञ में आहुत डलवाकर कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध संकल्प दिलवाया।
- 16 मार्च 2013 को गुरूकुल डिग्गी मताना, जिला फतेहाबाद में बेटी बचाओ अभियान के माध्यम से कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या का व्याख्यान।
- 22 मार्च 2013 को दैनिक भास्कर समूह रोहतक द्वारा आयोजित 'बेटी बचाओ अभियान' में कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश आर्या द्वारा रैली निकाली गई।
- 12 अप्रैल 2013 को पुष्पांजलि आर्य समाज नई दिल्ली में आयोजित महिला सम्मेलन में कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या का कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध व्याख्यान।
- 20 अप्रैल 2013 को सर्किट हाऊस रोहतक में फ्रांस निवासी अनुराधा एवं एंजलि द्वारा 'कन्या भ्रूण हत्या' विषय पर रेडियो चैनल पर कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या द्वारा साक्षात्कार।
- 24 अप्रैल 2013 को आर्य समाज मयूर विहार दिल्ली में आयोजित बेटी बचाओ अभियान के माध्यम से कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश आर्या द्वारा व्याख्यान।
- 6 जून 2013 से 12 जून 2013 तक स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ गांव टिटौली जिला रोहतक में 'कन्या चरित्र निर्माण योग शिविर' के माध्यम से 500 कन्याओं को बेटी बचाओ की शपथ दिलवाई।
- 21 जून 2013 से 28 जून 2013 को स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में दयानन्द मठ चम्बा हिमाचल प्रदेश में सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के तत्वाधान में राष्ट्रीय आर्य कार्यकर्ता

शेष पृष्ठ 9 पर

thearyasamaj.org

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में निकाली गई कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अंधविश्वास के विरुद्ध प्रान्तीय बेटी बचाओ जन–चेतना यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

कुछ चित्रमय झलकियाँ

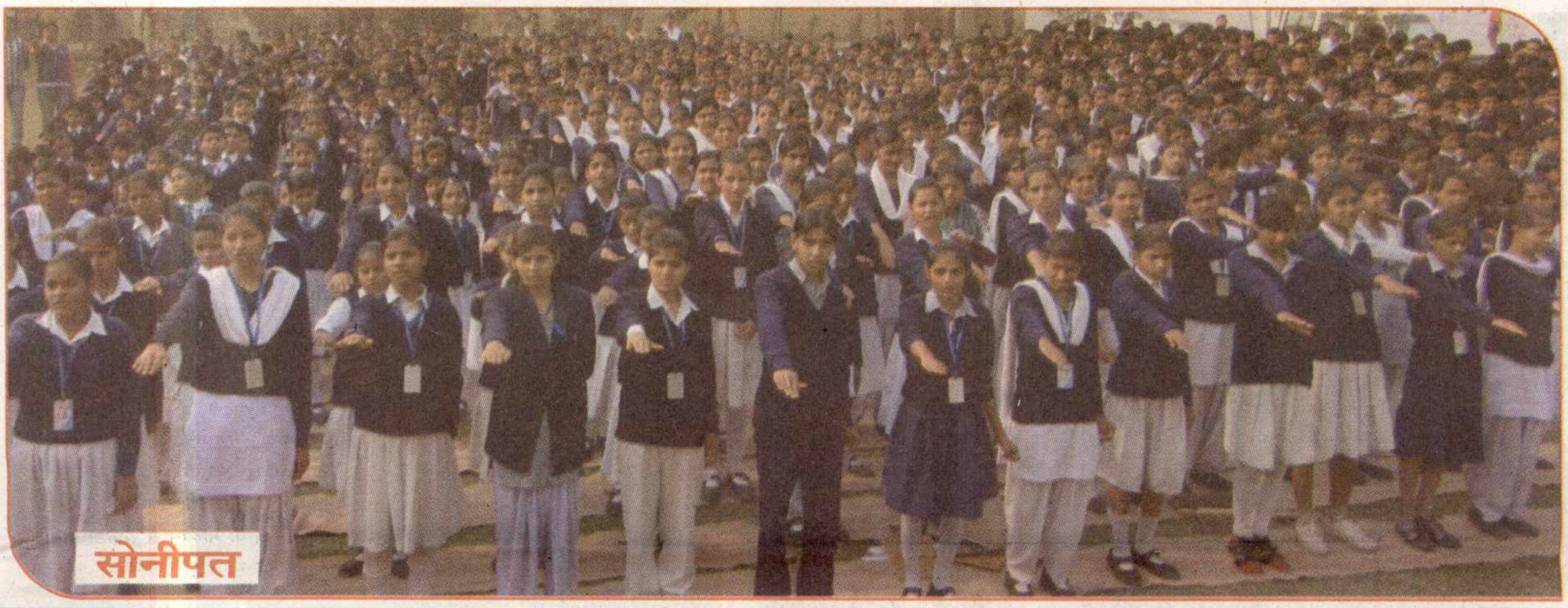
सोनीपत

गुड़गांव

फरीदाबाद

सोहना

सतनाली

भिवानी

कलानौर

रत्नगढ़

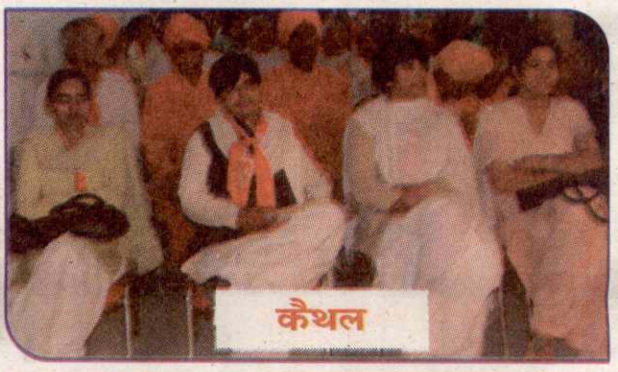
कैथल

कुरुक्षेत्र

कलानौर

बेरी

भाऊ अकबरपुर

मदीना

पीली मन्दौरी

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में निकाली गई कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अंधविश्वास के विरुद्ध प्रान्तीय बेटी बचाओ जन–चेतना यात्रा में उमड़ा जन सैलाब कुछ चित्रमय झलकियाँ

जीन्द

सिरसा

श्रीमती कविता जैन ज्ञापन को पढ़ते हुए

आर्य नगर हिसार

रोहतक

करनाल

करनाल

शेखुपुरिया

बेरी

हिसार

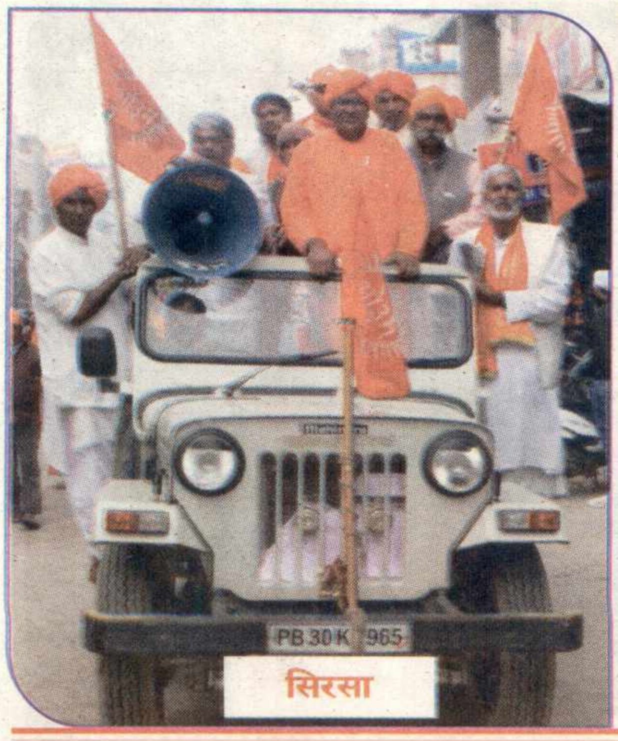
सिरसा

हिसार

हिसार

उमरा

फरीदाबाद

thearyasamaj.org

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में निकाली गई कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अंधविश्वास के विरुद्ध प्रान्तीय बेटी बचाओ जन–चेतना यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

कुछ चित्रमय झलकियाँ

रतनगढ़

ज्ञापन सौंपते हुए स्वामी जी

फरीदाबाद

सिरसा

बादशाहपुर

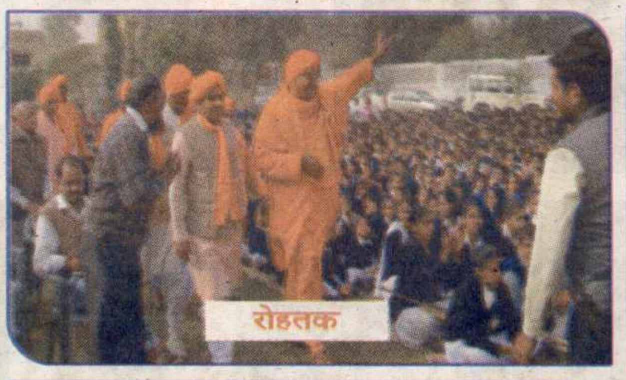
रोहतक

जीन्द

ईसापुर खेड़ी

सोनीपत

सोनीपत

पानीपत

नरवाना

हिसार

सिरसा

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में निकाली गई कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अंधविश्वास के विरुद्ध प्रान्तीय बेटी बचाओ जन–चेतना यात्रा में उमड़ा जन सैलाब कुछ चित्रमय झलकियाँ

ढोभी

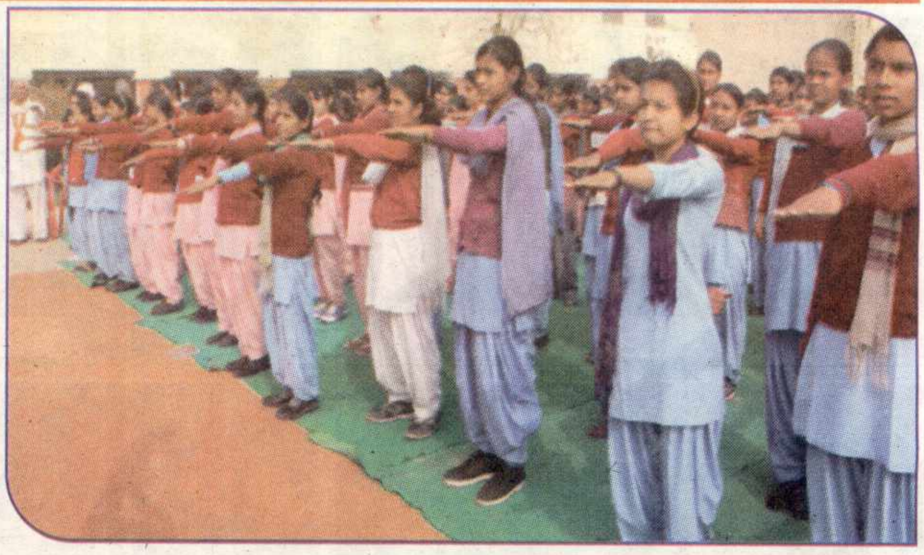

हिसार

आर्य नगर

भिवानी बिट्स में स्वामी अग्निवेश जी

फरीदाबाद

हनुमान ढाणी भिवानी

कुण्डू भवन, टिटौली

नाथूसरी चौपटी

thearyasamaj.org

पृष्ठ–4 का शेष

बेटी बचाओ अभियान

कैप्सूल कैम्प का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान सैकड़ों युवाओं को बेटी बचाओ अभियान में अत्याधिक सक्रियता लाने के लिए प्रेरित किया गया।

- 14 जुलाई 2013 को स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ टिटौली रोहतक में 'सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्' के तत्त्वाधान में स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता व ब्र॰ दीक्षेन्द्र आर्य के संयोजन में बेटी बचाओ अभियान का कार्यक्रम रखा गया।
- 22 जुलाई 2013 को स्वामी ब्रह्मानंद आश्रम बणी, पुण्डरी जिला कैथल में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश आर्या का 'बेटी बचाओ अभियान' विषय पर व्याख्यान हुआ जिसमें हजारों महिलाओं ने यज्ञ में आहुति डालकर कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध संकल्प लिया।
- 27 जुलाई 2013 को आर्य समाज मन्दिर, गांव मोखरा जिला रोहतक में कु॰ प्रवेश आर्या के संयोजन व कु॰ पूनम आर्या की अध्यक्षता में बेटी बचाओ अभियान के तहत दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।
- 10 अगस्त 2013 को खरखौदा जिला सोनीपत में श्री मंजीत दहिया के संयोजन में बेटी बचाओ अभियान विषय पर कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या का वक्तव्य।
- 27 अगस्त 2013 को वैद्य रमेश योगाचार्य के संयोजन में झज्जर में बेटी बचाओ अभियान के तहत कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
- 29 अगस्त 2013 को आर्यसमाज रोहिणी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या ने कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध अपने विचार रखे।
- 3 सितम्बर 2013 को श्री जगन्नाथ आर्य सी.सै. स्कूल हिसार में सार्वदेशिक आर्ययुवक परिषद् के तत्वाधान में 'कन्या भ्रूण हत्या' विषय पर कु॰ पूनम आर्या, कु॰ प्रवेश आर्या व ब्र॰ दीक्षेन्द्र आर्य का व्याख्यान।
- 29 सितम्बर 2013 को रानीबाग आर्यसमाज दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के तहत बेटी बचाओं अभियान विषय पर कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश आर्या ने अपना उद्‌बोधन दिया।
- 11 अक्तूबर 2013 को राजकीय कन्या वरिष्ठ मा॰वि॰ गांव मोखरा जिला रोहतक में बेटी बचाओ अभियान के तहत आर्यसमाज के प्रधान श्री बलवान सिंह आर्य के संयोजन में कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या द्वारा सभी छात्राओं को यज्ञ के माध्यम से कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध शपथ दिलवाई।
- 16 अक्तूबर 2013 में गांव सनौली में खरखौदा महिला कॉलेज की छात्राओं द्वारा आयोजित एन॰एस॰एस॰ के शिविर के माध्यम से 'बेटी बचाओ विषय' पर नाटक प्रस्तुत किया गया व मुख्य सम्बोधन कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश आर्या का रहा जिसमें छात्राओं को कन्या भ्रूण के विरूद्ध आवाज बुलंद करने के लिए प्रेरित किया।
- 28 अक्तूबर 2013 से 30 अक्तूबर 2013 तक बागेश्वर उत्तराखण्ड में एडवोकेट गोविन्द भण्डारी के संयोजन में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम रखे गये। इसमें सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के यशस्वी संन्यासी पूज्य स्वामी आर्यवेश जी का मुख्य उद्‌बोधन विभिन्न सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध रहा। साथ ही ब्र॰ दीक्षेन्द्र आर्य, कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या ने बेटी बचाओ अभियान विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये।
- 24 नवम्बर 2013 को आर्य समाज सैनिक विहार दिल्ली में आयोजित 'महिला सम्मेलन' में मुख्य वक्ता कु॰ पूनम आर्या कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध उद्‌बोधन दिया व कु॰ प्रवेश आर्या ने बेटी बचाओ अभियान से जुड़ने का आह्‌वान किया।
- 29 नवम्बर 2013 को राजकीय कन्या वरिष्ठ मा॰ विद्यालय, गांव रूड़की जिला रोहतक में बेटी बचाओ अभियान से जोड़ने के लिये कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या ने सभी छात्राओं का आह्‌वान किया व कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध संकल्प दिलवाया।
- 30 नवम्बर 2013 को राजकीय कन्या वरिष्ठ मा॰ विद्यालय जुलाना जिला जींद में आयोजित प्रि॰ धर्मपाल सिंह पांचाल के संयोजन में 'एल्यूमनी मीट' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित कु॰ पूनम आर्या ने हरियाणा में तेजी से गिरते लंगानुपात पर चिन्ता व्यक्त करते हुए सभी छात्राओं को बेटी बचाओ अभियान को द्रुत गति से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।
- 8 दिसम्बर 2013 को स्वामी रामवेश जी के संयोजन से अर्बन एस्टेट जींद में कन्या भ्रूण हत्या नशाखोरी के विरूद्ध संकल्प लिया।
- 19 दिसम्बर 2013 को प्रि॰ आजाद सिंह के सहयोग से सोनीपत में स्वामी आर्यवेश के नेतृत्व में कन्या भ्रूण हत्या एवं नशाखोरीर के विरूद्ध विशाल रैली का आयोजन।
- 28 दिसम्बर 2013 को श्री दलबीर आर्य के संयोजन में महर्षि दयानन्द नर्सिंग कॉलेज चौधरीबास, आर्य ग्रुप लक्ष्मीबाई कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन भेरियाँ जिला हिसार में बेटी बचाओ अभियान के माध्यम से कु॰ पूनम आर्या व कु॰ प्रवेश द्वारा व्याख्यान।
- 20 जनवरी 2014 को पिलानिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट लौहारू जिला भिवानी में कु॰ प्रवेश आर्या व कु॰ पूनम आर्या बेटी बचाओ अभियान का कार्यक्रम।
- 24 जनवरी 2014 को आंगनबाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र रोहतक में प्रिंसिपल सरोज राणा के सहयोग से व्याख्यान एवं संकल्प।
- 23 फरवरी 2014 से 4 मार्च 2014 तक स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ टिटौली में बेटी बचाओ संकल्प हेतु चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का आयोजन स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में किया गया जिसमें लाखों लोगों ने आहुति डालकर बेटी बचाने का संकल्प लिया।
- 3 मई 2014 को मानसरोवर पार्क रोहतक में पंतजलि योग समिति द्वारा आयोजित योग शिविर में बेटी बचाओ विषय पर व्याख्यान।
- 13 मई 2014 को गांव मोखरा, खरकड़ा, महत, निदांना, फरमाणा के राजकीय विद्यालयों में बेटी बचाओ विषय पर व्याख्यान कु॰ पूनम आर्या व प्रवेश आर्या द्वारा।
- 3 जून 2014 से 8 जून 2014 तक ब्र॰ दीक्षेन्द्र आर्य के संयोजन में गांव खटकड़ जिला जींद में एक हजार युवाओं के आवासीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें स्वामी आर्यवेश जी ने सभी युवाओं को बेटी बचाओ अभियान को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया।
- 6 जून 2014 से 12 जून 2014 तक स्वामी इन्द्रेश विद्यापीठ गांव टिटौली जिला रोहतक के शिविर में शिरकत की हुई 500 युवतियों ने बेटी बचाओ अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।
- 11 जून 2014 को पूरे शहर में शोभा यात्रा निकालते हुए जनजागरण किया।
- 17 नवम्बर 2014 से 22 नवम्बर 2014 तक हरियाणा शिक्षा विभाग के सहयोग से राजकीय कन्या वरिष्ठ मा॰वि॰ करौंथा, बालन्द कबूलपुर, रिटौली, सुखपुरा चौंक, रोहतक, जसिया, साँघी, गरनावठी, सुण्डाना, सुनारियां, माड़ौदी, काहनौर, आँवल, बहुअकबरपुर, चाँदी, घड़ौठी, खेड़ी साध, खरावड़, चुलियाणा, कारौर, आसन, कन्साला, खरक जाटान, नान्दल, गुगाहेड़ी, बैंसी, चिड़ी में बेटी बचाओ अभियान के कार्यक्रम।
- 23 नवम्बर 2014 को स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में छोटूराम स्टेडियम रोहतक में विराट युवा सम्मेलन के माध्यम से दस हजार युवाओं को बेटी बचाओ अभियान से जोड़ने का आह्‌वान।
- 16 जून से 22 जून तक खेड़ला जिला गुड़गांव में स्वामी विजयवेश जी के संयोजन में कन्याओं के लिए शिविर।
- 21 जून से 27 जून 2014 तक स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में अभियान के कार्यकताओं का विशेष शिविर नैनीताल उत्तराखण्ड में आयोजित किया गया।
- 14 सितम्बर 2014 को पुलिस कॉलोनी शालीमार बाग दिल्ली में बेटी बचाओ यज्ञ का आयोजन श्री सुरेश नरवाल के सहयोग से किया गया।
- सितम्बर माह में म॰द॰ विश्वविद्यालय के सभी कन्या छात्रावासों में कु॰ पूनम आर्या व प्रवेश आर्या का व्याख्यान।
- 1 नवम्बर 2014 – आर्य समाज सेवा सदन ब्राह्मणवाड़ा बल्लभगढ़ फरीदाबाद में स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में महिला सम्मेलन।
- 7 दिसम्बर 2014 को समाजकल्याण परिषद् रोहतक के संयोजन में सब्जीमण्डी खरखौदा में कार्यक्रम।
- 14 दिसम्बर 2014 को स्वामी रामवेश जी के संयोजन में कन्या भ्रूण हत्या व नशाखोरी के विरूद्ध प्रान्तीय आर्य महासम्मेलन का आयोजन।
- 18 दिसम्बर 2014 को श्री लालनाथ महिला महाविद्यालय में कन्या भ्रूण हत्या विषय पर व्याख्यान व संकल्प कु॰ पूनम आर्या द्वारा।
- 20 दिसम्बर 2014 को आर्य समाज मुकलान के संयोजन में रा॰क॰व॰मा॰ विद्यालय में महिला सम्मेलन में व्याख्यान।
- 21 दिसम्बर 2014 को रिटौली गांव में वैदिक सत्संग में बेटी बचाओ यज्ञ का आयोजन श्री शिव कृष्ण आर्य के संयोजन में।
- 23 दिसम्बर 2014 को स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में नरवाना में बेटी बचाओ सम्मेलन का आयोजन आर्य समाज नरवाना के संयोजन में।
- 11 जनवरी 2015 को इन्विटेशन गार्डन रोहतक में महिला सशक्तिकरण एवं बेटी बचाओ सम्मेलन का आयोजन स्वामी आर्यवेश जी के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें मुख्य वक्ता पदम्श्री सन्तोष यादव पर्वतारोही, मनीष ग्रोवर विधायक, श्रीमति प्रतिभा सुमन अध्यक्ष, महिला मोर्चा, श्रीमति जयवन्ती श्योकन्द पूर्व आई.ए.एस., कु॰ पूनम आर्या, कु॰ प्रवेश आर्या, श्रीमति जगमति मलिक, श्री सुरेश राठी, श्री रामकरण हुड्डा, श्री शमशेर खरकड़ा, श्री बलराज कुण्डू, डॉ॰ किरण कलकल इत्यादि रहे। इसी कार्यक्रम में ऐसे दस परिवारों को सम्मानित किया गया जिनकी केवल बेटियाँ हैं। कार्यक्रम का संयोजन ब्र॰ दीक्षेन्द्र ने किया।
- 23 से 25 जनवरी 2015 को गांव सुण्डाना जिला रोहतक में बेटी बचाओ यज्ञ व सम्मेलन का आयोजन श्री संजय ढ़ाका के संयोजन तथा श्री शिवकृष्ण आर्य की अध्यक्षता में किया गया।
- 17 जनवरी 2015 को भिवानी जिले के सिंघानी गांव के शारदा महिला महाविद्यालय में कु॰ पूनम आर्या का व्याख्यान व कु॰ प्रवेश आर्या द्वारा कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध संकल्प दिलवाया गया।
- 14 फरवरी से 23 फरवरी 2015 तक स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में 10 दिवसीय कन्याभ्रूण हत्या के विरूद्ध जनचेतना यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा पलवल, बघोला, पृथला, गदपुरी, वल्लभगढ़, फरीदाबाद, पाली, धौज, सोहना, बहल्पा, बादशाहपुर, गुड़गांव, जमालपुर, पटौदी, चिल्हड़, रेवाड़ी, कनीना, महेन्द्रगढ़, माधोगढ़, डालनवास, सुरेहती, सतनाली, सुहासड़ा, फरटिया, लौहारू, सिंघानी, ढ़िगावा, पोहकरवास, कुड़ल, जूई, गोलागढ़, भिवानी, बामला, खरक कलां, कलानौर, मसूदपुर, बेरी, घौड़, झज्जर, रोहतक, टिटौली, बहुअकबरपुर, पदीना, खरकड़ा, महम, भैणीमहाराजपुर, मुण्ढाल, सौरखी, ढ़ाणा हांसी, देपल, उमरा, सुल्तानपुर, भगाना, लाडवा, मुकलान, हिसार, आर्यनगर, गुरूकुल, धीरणवास, बालसमन्द, डोभी, बगला, आदमपुर, भट्टू, पीली मन्दोरी, नाथूसरी चौपटा, चाडीवाल, सिरसा, मोरीवाल, जोधका, फतेहाबाद, रतिया, धारसूलकला, टोहाना, बिठमड़ा, नरवाना, डूमरखांकला, उचाना, बड़ौदा, खटकड़, जींद, पाण्डूपिण्डारा, सिंधवी खेड़ा, भम्भेवा, नूरनखेड़ा, बुटाना, गोहाना, मोहाना, बिधल, बड़वासनी, सोनीपत, गन्नौर, समालखा, पट्टीकल्याणा, पानीपत, खरकाली, करनाल, असंध, राजौंद, पाई, पुण्डरी, कैथल, ढाण्ड, पबनाबा, मिर्जापुर, कुरूक्षेत्र, पीपली, लाडवा, रादौर, यमुनानगर, सढ़ौरा, अम्बाला, पंचकूला तक रहेगी।
- सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् एवं आर्य समाज द्वारा जब से कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध अभियान चला है तब से एक चेतना तो अवश्य जगी है किन्तु आशाजनक परिणाम सामने अभी तक नहीं आये हैं। अब केन्द्र सरकार ने इस विषय में गम्भीरता प्रकट की है तो हम आशा करते हैं कि भविष्य में अवश्य ही सकारात्मक परिणाम आएँगे।

कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए कुछ विचारणीय बिन्दु

1. कन्या भ्रूण हत्या विरोधी अभियान को ग्राम स्तर तक ले जाया जाये।
2. गर्भवती महिलाओं का तुरन्त रजिस्ट्रेशन हो और नौ महीने तक उन पर निगरानी रखी जाये।
3. अवैध परीक्षण और गर्भपात के जो मामले पकड़े जाते हैं उनमें चिकित्सा विभाग और पुलिस विभाग की लापरवाही के कारण अपराधी सजा पाने से बच जाता है अत: इन दोषी अधिकारियों के विरूद्ध भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।
4. कन्या भ्रूण हत्या के दोषियों पर धारा 320 के तहत मुकद्दमा दर्ज किया जाए।
5. तहसील व जिला स्तर पर निगरानी समितियों का गठन हो जो मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला आयुक्त और पुलिस

thearyasamaj.org

अधीक्षक के निरन्तर सम्पर्क में रहते हुये अपना काम करें।

6. समय-समय पर जिला स्तर या तहसील स्तर पर कन्या भ्रूण हत्या विरोधी सम्मेलन आयोजित होने चाहिएँ, जिनमें प्रभावशाली वक्ताओं, आध्यात्मिक संतों, योग गुरुओं, सामाजिक व पंचायती नेताओं, शिक्षाविदों व राजनीतिक नेताओं को बुलाया जाना चाहिये।
7. कन्या भ्रूण हत्या विरोधी अभियान से जुड़े लोग बजाये कानूनी रूप से अपराधियों को दण्डित कराने के उनका हृदय परिवर्तन कराने व उनकी मानसिकता बदलने पर अधिक जोर दें।
8. केबल द्वारा टेलीविजन पर अश्लील एवं प्रदूषित कार्यक्रम देने पर प्रभावी नियन्त्रण लगना चाहिए।
9. जिन फिल्मों व धारावाहिकों में नारी की अवमानना चित्रित हो वे भी टेलीविजन पर प्रसारित न हों।
10. दहेज, बलात्कार, निर्धनता, अशिक्षा, बेरोजगारी कन्या भ्रूण हत्याओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं अत: इन कारणों को दूर करने का हर सम्भव प्रयास होना चाहिए।
11. जिनको सिर्फ बेटियाँ हैं उनको सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

अपील

आर्यसमाज के प्रवर्तक महर्षि दयानन्द ने नारी सम्मान के लिए उनके पढ़ने के बराबर अधिकार से लेकर जीवन के हर क्षेत्र में बराबर आगे बढ़ने की घोषणा करके नर-नारी समानता का उद्घोष किया था। लेकिन आज उसकी धज्जियाँ उड़ रही हैं। अश्लीलता एवं नग्नता की शिकार नारी आज उपभोक्तावाद की आँधी में सरेआम अपनी अस्मिता बेच रही है। ऐसी स्थिति में आर्यसमाज चुप नहीं बैठ सकता। यद्यपि समस्याएँ और भी अनेक हैं किन्तु इस समय नारी समाज की सुरक्षा के लिए कन्या भ्रूण हत्या, कन्या शिशु हत्या व नारी पर होने वाले विविध अत्याचारों के विरुद्ध आर्य समाज के सशक्त युवा संगठन सार्वदेशिक आर्य युवक, परिषद् द्वारा राष्ट्रव्यापी अभियान चलाये गये हैं तथा समाज में चेतना पैदा करने के साथ-साथ सरकार को भी इस दिशा में सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर किया जायेगा। इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए हमें आपके हर संभव सहयोग की आवश्यकता है। अत: आप बेटी बचाओ अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए जरूर समय निकालें। यदि आप समय नहीं निकाल सकते तो अपनी पवित्र कमाई से दान के रूप में धन राशि परिषद के कार्यालय में नकद या 'सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्' के नाम चैक भेजें।

संकल्प

'कन्या भ्रूण हत्या' विषय पर सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली द्वारा ट्रैक्ट को पढ़ कर मेरे मन में संकल्प जगा है कि मैं भी नारी उत्पीड़न की इस भयंकर त्रासदी के विरुद्ध आवाज बुलंद कर आपके 'कन्या भ्रूण हत्या' विरोधी अभियान के साथ जुड़ कर अपना योगदानदेना चाहते हैं तो सम्पर्क करें।

स्वामी आर्यवेश
प्रधान : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
3/5 आसफ अली रोड, (रामलीला मैदान)
नई दिल्ली-110002
मो.:-9013783101, 9354840454

कु. पूनम आर्या
अध्यक्ष, बेटी बचाओ अभियान
स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, टिटौली
रोहतक (हरियाणा)
मो.:-9416630916

जनचेतना यात्रा के अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दिये गये उद्बोधन एवं समर्थन

युवा संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी द्वारा प्रारम्भ किया गया यह अभियान आर्य समाज की शक्ति को एकत्रित करने में मील का पत्थर साबित होगा। मेरा पूरा आशीर्वाद स्वामी जी को समर्पित है ताकि महर्षि दयानन्द के सपनों को साकार करने की ताकत स्वामी जी प्राप्त कर सकें। इस यात्रा के लिए स्वामी जी को शुभ कामनाएँ।

- स्वामी चन्द्रवेश, आचार्य स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, टिटौली, रोहतक

कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में निकाली गई यह यात्रा समाज में व्याप्त बुराईयों को मिटाने में सहायक होगी।

- स्वामी दिव्यानन्द, योगधाम, हरिद्वार

आर्य समाज को वर्तमान सामाजिक मुद्दों से जुड़कर जन-मानस की समस्याओं के समाधान के बारे में विचार करना चाहिए। तभी आर्य समाज वर्तमान समय में भी प्रासंगिक होगा।

- डॉ. अनिल आर्य, उपप्रधान सार्वदेशिक सभा

पाखण्ड से बचना चाहते हो तो आर्य समाज में आओ।

- स्वामी चेतनानन्द, नागौर, राजस्थान

आर्य समाज ने हमेशा ही दबे-कुचले एवं असहाय लोगों की लड़ाई लड़ी है। बेटियों को बचाने की यह मुहिम भी उसी कड़ी का एक हिस्सा है।

- स्वामी विश्वानन्द, आगरा

सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध आर्य समाज निरन्तर अपना संघर्ष जारी रखेगा। इस यात्रा के बाद भी पूरे राष्ट्रीय स्तर पर कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध नई रणनीति के तहत कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

- बिरजानन्द एडवोकेट, महामन्त्री सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्

उत्तर प्रदेश में भी जन-जागरण यात्रा के आयोजन की जल्द ही घोषणा की जायेगी।

- ब्र. रामफल, प्रधान, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्, उत्तर प्रदेश

समाज के साधु, संन्यासियों द्वारा किया जा रहा यह जन-जागरण समाज परिवर्तन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। हम इन सबका पूर्ण समर्थन करते हैं।

- घनश्याम अरोड़ा, विधायक युमनानगर, हरियाणा

मानसिकता बदलने की आवश्यकता है सामाजिक बुराईयाँ अपने आप समाप्त हो जायेंगी।

- डॉ. नरेन्द्र आहुजा विवेक, पंचकुला, हरियाणा

युवाओं के द्वारा ही सामाजिक परिवर्तन सम्भव है। वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए युवाओं को ही आगे आना होगा।

- ओम प्रकाश बलवाला, निदेशक, बिट्स

समाज परिवर्तन के लिए सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे।

- स्वामी चरणदास, हनुमान ढाणी, भिवानी, हरियाणा

स्वामी आर्यवेश जी वर्तमान समय में आर्य समाज में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। हम भी स्वामी जी की इस मुहिम में हजारों नौजवानों को जोड़ने का काम करेंगे।

- श्री शिवकृष्ण आर्य, रोहतक, हरियाणा

कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध सबसे पहले आर्य समाज ने ही अलख जगाई थी।

- चौ. अजीत सिंह पूर्व विधायक

शिक्षा जगत से जुड़े हुए सभी लोगों को प्रयास करना चाहिए कि वो अपना कुछ समय समाज परिवर्तन के लिए अवश्य दें। ताकि देश को पुन: पुराना गौरव प्राप्त हो सके।

- प्रिं. आजाद सिंह, प्राचार्य दून स्कूल, सोनीपत

आर्य समाज की समस्त संस्थाओं को अपना पूर्ण सहयोग एवं समर्थन स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान को देना चाहिए।

- इन्द्रजीत आर्य, प्रधान, आर्य समाज नरवाना

मेरा पूरा आशीर्वाद स्वामी आर्यवेश जी को है। क्योंकि वर्तमान समय में पूरा आर्य समाज उन्हीं की ओर टक-टकी लगाये आशा भरी नजरों से देख रहा है उनकी क्षमता का पूरे आर्य जगत को लाभ लेना चाहिए। ताकि ऋषि दयानन्द के सपनों को साकार किया जा सके।

- स्वामी सर्वदानन्द, कुलपति गुरुकुल धीरणवास

आर्य समाज सिर्फ धार्मिक ही नहीं सामाजिक और वैचारिक आन्दोलन का नाम है।

- लाजपत राय चौधरी, करनाल

समाज के वर्तमान ज्वलन्त मुद्दों से जुड़कर ही आर्य समाज अपनी पहचान जीवित रख सकता है।

- डॉ. भूपसिंह, इन्द्र सिंह पूर्व एस. डी. एम.

हम पिछले लगभग 40 वर्षों से स्वामी जी के साथ आर्य समाज की समस्त गतिविधियों में शामिल रहे हैं तथा विभिन्न ऐतिहासिक आयोजनों के साक्षी रहे हैं। यह आन्दोलन भी अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अवश्य लिखेगा। इस पूरे आन्दोलन को हमारा तन-मन-धन से पूर्ण समर्थन है।

- बाबू लक्ष्मीचन्द्र आर्य, फरीदाबाद

साधु, संन्यासी आज गली-गली में लोगों से बुराईयाँ छोड़ने की भीख झोली फैलाकर मांग रहे हैं। अब समाज को जागृत होना चाहिए तथा एक नये समाज की नींव रखनी चाहिए।

- स्वामी सच्चिदानन्द, यमुनानगर

स्वामी आर्यवेश जी वर्तमान समय में सबसे अधिक गतिशील एवं क्रियाशील दिखाई देते हैं इसलिए हम सभी को उनका पूर्ण समर्थन एवं सहयोग करना चाहिए।

- सोमदत्त शास्त्री चण्डीगढ़

महिलाओं को अपने अस्तित्व की लड़ाई स्वयं लड़नी पड़ेगी तभी हम अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकते हैं।

- जगमति मलिक, राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित

जल्द ही कैथल में हजारों नौजवानों की एक समाज परिवर्तन रैली निकाली जायेगी जिसको स्वामी आर्यवेश जी सम्बोधित करेंगे।

- दर्शन सिंह सरपंच, कैथल

यादव समाज ने यह निर्णय लिया है कि कोई भी यदि कन्या भ्रूण हत्या एवं दहेज जैसे सामाजिक बुराई में लिप्त होगा उससे रोटी एवं बेटी का रिश्ता नहीं होगा।

- डॉ. अतुल यादव, कुरुक्षेत्र

समाज परिवर्तन के लिए जागरूकता जरूरी है। यह जन-चेतना यात्रा भी उसी कड़ी का एक हिस्सा है।

- रामपाल शास्त्री किसान नेता, महेन्द्रगढ़

सभी सामाजिक संगठनों को एक-एक सामाजिक बुराई के विरुद्ध मिलकर संघर्ष करना होगा तभी हम एक अच्छे समाज की नींव रख सकते हैं।

- प्रीतपाल सिंह पानू, निफा

thearyasamaj.org

हरियाणा के पलवल से लेकर चण्डीगढ़ तक विभिन्न गांवों से गुजरने वाली कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जन-चेतना यात्रा का विवरण निम्न प्रकार रहा

14 फरवरी, 2015

उद्घाटन समारोह :- सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय बेटी बचाओ अभियान जन-चेतना यात्रा का सफल आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन 14 फरवरी को प्रात: यज्ञ के बाद एक सभा के आयोजन से हुआ। उद्घाटन समारोह का संयोजन स्वामी श्रद्धानन्द जी तथा अध्यक्षता स्वामी आर्यवेश जी ने की। मुख्य अतिथि दिल्ली से डॉ. अनिल आर्य तथा पूर्व विधायक चौ. राजेन्द्र बिसला जी रहे। महेन्द्र भाई, स्वामी चन्द्रवेश, बहन पूनम आर्या, बहन प्रवेश आर्या, नरेश दत्त आर्य आदि ने अपने विचार भी रखे। आर्य समाज पलवल की सभी स्थानीय ईकाईयों द्वारा स्वामी जी, दोनों बहनों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर पं. नरेन्द्र दत्त आर्य का आर्य युवक परिषद् हरियाणा की ओर से 21 हजार नकद राशि के अतिरिक्त शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान भी किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नारायण सिंह आर्य, जयप्रकाश आर्य, डॉ. धर्मप्रकाश आर्य, कुंवर रमेश आर्य, ठाकुर लाल आर्य, यशपाल आर्य, चन्द्रपाल आर्य, तुलराम आर्य, सिमरन सिंह पटवारी, सुरेन्द्र आर्य, राजेन्द्र चौहान आदि का विशेष सहयोग रहा। इसके पश्चात् यात्रा सरस्वती कॉलेज, बघोला, पृथला, गदपुरी होती हुई बलभगढ़ पहुंची। वहां पर पहले अनाज मण्डी के सामने पेट्रोल पम्प के पास एक जनसभा का आयोजन बलभगढ़ की आर्य समाजों द्वारा किया गया।

इसके पश्चात् प्रथम तो शहर में पैदल यात्रा निकाली गई उसके पश्चात् हुड्डा सिटी पार्क में एक नुक्कड़ सभा का आयोजन हुआ जिसमें स्वामी आर्यवेश जी, डॉ. अनिल आर्य का उद्बोधन हुआ तथा बहन प्रवेश आर्या ने संकल्प दिलवाया।

बलभगढ़ के पश्चात् गाड़ियों का काफिला शंखनाद करता हुआ फरीदाबाद की गलियों से होता हुआ आर्य समाज सैक्टर-19 में पहुंचा जहां पर स्थानीय आर्य समाजों के अधिकारी यात्रा का इन्तजार कर रहे थे। यहाँ पहुंचने पर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। फरीदाबाद व बल्लभगढ़ के समस्त कार्यक्रमों को सफल बनाने में सर्वश्री बाबू लक्ष्मीचन्द्र आर्य, महेश आर्य, विमला ग्रोवर, डॉ. गजराज आर्य, जितेन्द्र सिंह आर्य, प्रवीण गोयल, मुकेन्द्र आर्य, प्रेम कुमार मित्तल, नन्दलाल कालड़ा, सत्यभूषण आर्य, ऋषिपाल आर्य, प्रेम कुमार मित्तल, प्रेमकृष्ण आर्य, महेन्द्र बोहरा, वेद प्रकाश आर्य, मेघराज आर्य, जगदीश आर्य तथा राजेश शास्त्री का विशेष सहयोग रहा। प्रात: यज्ञ के उपरान्त यात्रा अपने अगले लक्ष्य की ओर बढ़ गई।

15 फरवरी (यात्रा का दूसरा दिन) : यात्रा फरीदाबाद से चलने के बाद पाली, धौज, होती हुई सरमथला पहुंची जहां मंदिर प्रांगण में यात्रा का स्वागत किया गया। यहां डॉ. नानक के साथ कार्यक्रम में राजबीर सिंह, कर्ण सिंह चौहान, राजेश एवं दयानन्द ने अपना सहयोग दिया। सरमथला के बाद यात्रा अनाज मण्डी सोहना पहुंची जहां पर प्रो. श्योताज सिंह, महेन्द्र सिंह शास्त्री, बेगराज यादव के पश्चात् आर्यवेश जी ने अपना उद्बोधन दिया। श्री महेश, नरेश आर्य, जयदेव, ओम प्रकाश, अभिषेक आदि ने अपना सहयोग दिया। महिला समाज की सदस्याएं भी उपस्थित रही।

सोहना के बाद यात्रा का काफिला बादशाहपुर की ओर बढ़ा जहां पर आर्य समाज सोहना के अधिकारियों ने स्वागत किया तथा दोपहर भोजन के उपरान्त स्वामी आर्यवेश जी का उद्बोधन हुआ। यहां पर बेगराज यादव ने सभी संन्यासियों का अभिनन्दन भी किया। प्रधान महेन्द्र सिंह ने धन्यवाद किया। बादशाहपुर के बाद ईस्लामपुर में यात्रा का स्वागत हुआ। उसके पश्चात् गुड़गांव में प्रेस वार्ता एवं कार्यक्रम के पश्चात् गाड़ौली में युवाओं ने यात्रा का स्वागत किया। बहन प्रवेश आर्या ने संकल्प करवाया। इस अवसर पर डॉ. सत्यम्, महेश शास्त्री, पवन पंधाल, राजकुमार सांगवान, नरेन्द्र महलावत आदि स्थानीय लोग उपस्थित थे। झुण्डसराय में कार्यक्रम जयदीप आर्य, नीतू एवं मनीषा के द्वारा आयोजित हुआ। जमालपुर में सड़क पर यात्रा का स्वागत हुआ। यात्रा पाटौदी, चिल्हड़ होती हुई रेवाड़ी पहुंची। शहर के बीच से यात्रा निकली तथा लोगों के आकर्षण का केन्द्र बनी, लगभग 5 हजार लोगों को यात्रा के पर्चे बांटे गए। रेवाड़ी से यात्रा सीधे जैनाबाद गांव में स्थित लालदास जी महाराज के मंदिर में पहुंची जहां सैकड़ों महिलाएं एवं पुरुष पहले से ही उपस्थित थे। उसके पश्चात् प्रो. श्योताज जी के निर्देशानुसार आर्य युवक परिषद् के विशेष सहयोगी सुन्दर सिंह व राजेश यादव ने अपने घर पर सबको भोजन करवाया। भोजन उपरान्त आचार्य अखिलेश के जन्म स्थान गाहड़ा में पहुंचे।

16 फरवरी, 2015 (यात्रा का तीसरा दिन)

प्रात: 7 बजे गाहड़ा गांव की यज्ञशाला में यज्ञ के उपरान्त उपदेश हुआ फिर नाश्ता करके आगे बढ़े। यह पूरा संयोजन श्री सतीश जी एवं रामसिंह जी ने किया। फिर महेन्द्रगढ़ शहर से यात्रा आर. पी. एस. महाविद्यालय में पहुंची जहां पर वहां के कुलपति श्री ओ. पी. सिन्हा एवं निदेशक श्री महेश जी द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दिनेश चहल ने किया। प्रवेश आर्या ने संकल्प करवाया। अगला कार्यक्रम रा. व. मा. विद्यालय माधोगढ़ में हुआ। संयोजन रामपाल शास्त्री ने किया तथा शक्तिपाल सिंह (बी.ई.ओ.) बिशन सिंह मित्तल (बी. ई. ई. ओ.), प्रिंसिपल-रमेश, सुरेश विजय आदि का विशेष सहयोग रहा। डालनवास के बाद सतनाली के स्कूल में यात्रा पहुंची। रामपाल शास्त्री के गांव सुरहेती से सुहासड़ा में यात्रा पहुंची जहां राजेश डांगी व रामअवतार आर्य ने कार्यक्रम आयोजित करवाया। फरटिया बीमा में राजीव गांधी सेवा केन्द्र में कार्यक्रम हुआ। जहां पर शेर सिंह शास्त्री, राकेश आर्य, मा. राम अवतार आदि ने कार्यक्रम सफल बनवाया। संजीत आर्य, पिताम्बर शर्मा एवं नरेन्द्र आर्य ने सिंघानी में तथा मा. प्रताप सिंह आर्य एवं सरपंच विजय नेहरा ने डिगावा मण्डी की धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित करवाया। डिगावा से पोकरवास, कुड़ल होती हुई यात्रा जुई में पहुंची। जहां पर समस्त व्यवस्था बाबूलाल आर्य, बन्सीलाल, पवन शर्मा, अनिल लाम्बा, सतपाल आर्य, मा. महेन्द्र आर्य, भूपेन्द्र आर्य, माता वीरमति, रणसिंह आदि ने संभाली।

यमुना नगर के विधायक भी पहुंचे समर्थन देने

17 फरवरी, 2015 (यात्रा का चौथा दिन) : आज प्रात: जूई में यज्ञ किया तथा दो नव-दम्पत्तियों को संकल्प करवाया। प्रात: कार्यक्रम के उपरान्त यात्रा गोलागढ़ होती हुई भिवानी स्थित हनुमान ढाणी में पहुंची। जहां स्वामी चरणदास जी, स्वामी ध्यानदास जी के अतिरिक्त नेताजी सुभाषचन्द्र बोस युवा जागृति मंच व रमेश सैनी की ओर से यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर बेटी बचाओ अभियान की 21 बहनों को अशोक भारद्वाज (युवा आवार्डी) की ओर से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात् यात्रा आर्य समाज मंदिर घण्टाघर पहुंची जहां पर डॉ. भूपसिंह, जय प्रकाश बोहरा, वेद प्रकाश, लक्ष्मणदास, राधेश्याम, नारायण सिंह, अमित, प्रधान-विद्यासागर, इन्द्रसिंह (एस. डी. एम.), पं. रामरख आदि द्वारा हार्दिक अभिनन्दन किया गया। उसके बाद यात्रा का स्वागत बामला अड्डे पर पहलवान सुधीर एवं उनके साथियों द्वारा किया गया। विट्स में यात्रा का स्वागत श्री ओम प्रकाश बहलवाला एवं शशि परमार पूर्व विधायक ने किया। यहां यज्ञशाला का उद्घाटन स्वामी अग्निवेश जी व स्वामी आर्यवेश जी ने किया। कॉलेज में मुख्य उद्बोधन स्वामी अग्निवेश जी का हुआ। खरक कलां होती हुई यात्रा अब रोहतक जिले में प्रवेश कर रही थी। यहां पर अब तक का सबसे जोरदार स्वागत व रोड-शो हुआ। शिवकृष्ण आर्य एवं संजय ढाका के नेतृत्व में पांच से ज्यादा युवा अपनी-अपनी गाड़ियाँ लिए हुए यात्रा के स्वागत में ओ३म् व तिरंगे झण्डे लिए खड़े थे। सैकड़ों माताएं एवं बुजुर्ग भी खड़े थे। जैसे ही यात्रा का काफिला पहुंचा। गगनभेदी नारों से पूरा कलानौर गूंज उठा। लगभग 2 किलोमीटर तक तिरंगे झण्डे ही दिखाई दे रहे थे। स्वामी जी ने उद्बोधन दिया व बहन प्रवेश आर्या ने संकल्प करवाया। इस अभूतपूर्व कार्यक्रम के लिए स्वामी जी ने शिवकृष्ण आर्य, संजय ढाका व उनकी पूरी टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया। **काहनौर** होते हुए यात्रा अब रोहतक के ऐतिहासिक गांव मसूदपुर में पहुंच चुकी थी। जहां पर ग्राम पंचायत एवं सरपंच श्री नवरत्न को सम्मानित किया गया क्योंकि इस गांव में एक हजार लड़कों के पीछे 1700 लड़कियों का अनुपात आता है। फिर यात्रा **बेरी** के आर्य समाज मंदिर में पहुंची जहां पर भाजपा के महामंत्री डॉ. किरण कलकल, डॉ. रमेश कलकल, डॉ. परविन्द्र, मनीष शर्मा, दिनेश गोयल, मंजू के अतिरिक्त आर्य समाज के प्रधान महेन्द्र सिंह व उनकी सुपुत्री ने इस आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया। यात्रा का अगला कार्यक्रम धौड़ की चौपाल में हुआ। यहां का संयोजन ब्र. वीरदेव व दिलबाग सिंह आर्य ने किया। **झज्जर** में अम्बेडकर चौक पर नुक्कड़ सभा का आयोजन अजीत सिंह एडवोकेट पूर्व विधायक ने करवाया। भोजन देशवाल फूड प्वाइंट पर श्री जसवन्त देशवाल की ओर से करवाया गया। जिसमें पद्म कादियान ने भी सहयोग किया। भोजन के बाद यात्रा डीघल, रोहतक होती हुई टिटौली (आश्रम) पहुंची।

18 फरवरी, 2015 (यात्रा का पांचवा दिन) : जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ रही थी यात्रियों में चाव आयोजकों में उत्सुकता व कार्यक्रमों की व्यस्तता भी अत्यधिक बढ़ रही थी। प्रात: तैयार होकर सभी टिटौली के नव-निर्मित कुण्डू भवन में पहुंचे जहां पर यज्ञ का आयोजन किया गया फिर स्वामी आर्यवेश जी ने अपना उद्बोधन दिया। यहां की सारी व्यवस्था पं. राजबीर वशिष्ठ, डॉ. नारायण, रामचन्द्र ठेकेदार ने सम्भाली तथा वीरेन्द्र शास्त्री, जय भगवान, जिलेसिंह, महावीर आर्य, रामफल आर्य, राजेन्द्र आर्य, धर्मदेव वशिष्ठ, अजय आर्य आदि ने सहयोग किया।

यात्रा जैसे ही **सैनी स्कूल रोहतक** पहुंची तो उपस्थित छात्र एवं छात्राओं का जोश देखते ही बनता था। वहां पर जिला सिविल सर्जन डॉ. शिवकुमार ने संकल्प दिलवाया। स्वामी आर्यवेश, बहन पूनम आर्या, बहन प्रवेश आर्या जिला शिक्षा अधिकारी सत्यवती नांदल, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सुमन ने अपने विचार रखे। प्रिं. ओ. पी. सैनी, प्रिं. बी. डी. मदान, प्रिं. संगीता, प्रिं. सीमा सैनी, श्रीमती प्रोमिला, अर्जुन सिंह इंसपैक्टर, महावीर शास्त्री, रणबीर शास्त्री, देवी सिंह आर्य, सुरेन्द्र मोहन आदि उपस्थित रहे।

सैनी स्कूल के पश्चात् यात्रा जुलूस के रूप में चली जिसमें सभी छात्र एवं छात्राएं भी बेटी बचाओ के नारों से गगन को गूंजा रहे थे।

यात्रा का अगला कार्यक्रम **भाऊ अकबरपुर** गांव में था जिसका संयोजन डॉ. श्यामदेव जी ने किया। इस गांव में 1000 लड़के और 1098 लड़कियों का अनुपात है। संकल्प स्वामी आर्यवेश जी ने दिलवाया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना एवं आर्य वरिष्ठ मा. विद्यालय में भी संकल्प समारोह आयोजित किया गया। प्रिं. सुरेन्द्र कौशिक तथा आर्य स्कूल के निदेशक श्री अशोक आर्य का महत्त्वपूर्ण योगदान इन दोनों स्थानीय कार्यक्रमों के आयोजन में रहा। फिर यात्रा खरकड़ा में पहुंची जहां कन्या विद्यालय में छात्राओं को स्वामी जी ने संकल्प करवाया। संयोजन कर्मवीर आर्य ने किया। **राजकीय महाविद्यालय महम** में भी स्वामी आर्यवेश जी ने संकल्प दिलवाया। संयोजन डॉ. सुभाष बल्हारा ने किया। डॉ. शीशराम आर्य, राजबीर आर्य, रणबीर आर्य एवं आर्य समाज **फरमाणा** के अधिकारी उपस्थित रहें।

भैणी महाराजपुर की चौपाल में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सीसराम ने किया। **सौरखी** में कार्यक्रम का आयोजन रा. व. मा. विद्यालय में बलवन्त सिंह आर्य, ओम प्रकाश आर्य, जोगेन्द्र सिंह आदि ने किया।

आर्य समाज मंदिर जी. टी. रोड हांसी की ओर से यात्रा का स्वागत किया गया। संयोजन भरत लाल शास्त्री ने किया तथा बलवन्त सीसर, ओम प्रकाश आर्य एवं आर्य समाज के अधिकारियों का विशेष योगदान रहा। आर्य समाज मंदिर **उमरा** में यात्रा का स्वागत किया गया। संयोजन राजेन्द्र सिंह व पवन कुमार ने किया। फिर यात्रा **सुल्तानपुर, भगाना** होती हुई ऐतिहासिक गांव लाडवा में पहुंची। जहां चौपाल में सैकड़ों बुजुर्गों ने स्वागत किया। संयोजन समशेर सिंह नम्बरदार ने किया। धर्मवीर सिंह, प्रताप सिंह, बलवान आदि ने सहयोग दिया। फिर यात्रा मुकलान पहुंची जहां चौ. बदलूराम के नेतृत्व में गांव के सैकड़ो नौजवानों ने स्वामी जी का भव्य स्वागत किया। पूरी व्यवस्था आर्य युवक परिषद् हिसार के कार्यकारी प्रधान दलबीर आर्य, सूबेसिंह आर्य, मा. जयवीर सैनी, सुधीर आर्य आदि ने सम्भाली। **आजादनगर** में यात्रा के स्वागत का कार्यक्रम बलराज मलिक के संयोजन में हुआ। यहां पर प्रसिद्ध इतिहासकार प्रताप सिंह शास्त्री, कर्मवीर ढिल्लो पार्षद, कुलबीर, सुरेन्द्र आर्य, राजकुमार, नरेन्द्र शर्मा, चन्द्र सिंह आदि का सहयोग रहा। आज के रात्रि पड़ाव के लिए यात्रा ऐतिहासिक आर्य समाज नागौरी गेट हिसार पहुंची जहां चौ. हरिसिंह सैनी, बजरंग लाल गोयल, देवेन्द्र सैनी, दलबीर मुकलान सतपाल अग्रवाल, सत्यप्रकाश आर्य, मा. जयवीर, नीतिन सैनी, विनोद आर्य, राजू आदि ने स्वागत किया।

19 फरवरी (यात्रा का छठां दिन) : प्रात: आर्य समाज मंदिर हिसार में यज्ञ पर संकल्प दिलवाया गया। फिर जगन्नाथ स्कूल की सैकड़ों छात्राओं को संकल्प दिलवाया गया। शहर में थोड़ी देर जुलूस भी निकाला गया। प्रिं. गीता मित्तल, नीरू बाला, राजेन्द्र कौर, शीतल, अन्जु, राम कुमार, ईश कुमार आदि उपस्थित रहे। उसके पश्चात् यात्रा आर्य नगर पहुंची जहां पर पहले से ही तैयारियां पूरी थी। यहां पर पूर्व सांसद पं. रामजीलाल आर्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन परिषद् के जिला महामन्त्री महेन्द्र आर्य ने किया। विशेष सहयोग आर्य समाज आर्य नगर एवं सीताराम आर्य, महेन्द्र सिंह आदि का रहा। प्रवेश आर्या ने संकल्प करवाया। बहन कल्याणी आर्य ने गीत सुनाए तथा स्वामी आर्यवेश जी का उद्बोधन रहा। पं. रामजीलाल ने भी विचार रखे। यहां से यात्रा गुरुकुल धीरणवास पहुंची। जहां स्वामी सर्वदानन्द जी का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का संचालन गुरुकुल के मंत्री सेठ बजरंग लाल ने किया तथा सारी व्यवस्था प्राचार्य राजमल ढाका ने संभाली। उसके बाद यात्रा डोभी के राजकीय विद्यालय में पहुंची। उद्बोधन के पश्चात् स्वामी जी ने संकल्प करवाया। फिर यात्रा बालसमन्द होती हुई कन्या गुरुकुल ढोभी पहुंची। जहां पर बलजीत आर्य एवं उनकी पूरी टीम ने विशेष स्वागत किया। फिर एक सामूहिक चित्र भी हुआ। हिसार के इन समस्त कार्यक्रमों के सफल संयोजन एवं आयोजन में चौ. हरिसिंह सैनी, चौ. बदलूराम आर्य, सेठ बजरंग लाल गोयल, देवेन्द्र सैनी, दलबीर आर्य, सतपाल अग्रवाल, सत्यप्रकाश आर्य, मा. जयवीर, अतर सिंह क्रांतिकारी, रामकुमार आर्य, महेन्द्र आर्य, नीतिन सैनी, श्याम आर्य आदि का विशेष योगदान रहा। बगला, आदमपुर होती हुई यात्रा भट्टू पहुंची। जहां रा. व. मा. विद्यालय में बहन पूनम आर्या ने संकल्प दिलवाया। संयोजन मदन गोपाल आर्य ने किया। सहयोग राजेन्द्र सिंह व बलवीर आर्य का रहा। चाहरवाल से यात्रा पीली मन्दौरी स्कूल में पहुंची जहां पर छात्र एवं छात्राओं को स्वामी जी ने संकल्प दिलवाया। यहां मदन गोपाल के साथ प्रिं. मदन कुमार मलिक ने सहयोग दिया। यहां से यात्रा नाथुसरी चौपटा पहुंची जहां पर सिरसा की ओर से जगदीश सींवर, राजेन्द्र चाढ़ीवाल, आचार्य परमजीत, इन्द्रपाल आर्य शेखुपरिया आदि स्वागत में खड़े थे। चौपटा पर कार्यक्रम हुआ। खुली जीप में चाण्डीवाल होते हुए सिरसा तक पहुंचे। स्वामी जी व गाड़ियों का काफिला सिरसा आर्य समाज मंदिर में कार्यक्रम के उपरान्त सभी रात्रि विश्राम के लिए जाट धर्मशाला सिरसा में पहुंचे।

20 फरवरी, 2015 (यात्रा का सातवां दिन) : प्रात: आर्य समाज मंदिर में यज्ञ किया। यज्ञ का कार्य आचार्य परमजीत ने सम्पन्न करवाया। उसके पश्चात् उपस्थित युवाओं को स्वामी जी ने संकल्प दिलवाया। जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। उसके पश्चात् पूरे शहर में जागरूकता रैली निकाली गई। बेटी बचाओ, देश बचाओ के नारों से गूंजा सिरसा। सिरसा के पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में जगदीश सींवर, आचार्य परमजीत, राजेन्द्र चाढ़ीवाल, इन्द्रपाल आर्य, संदीप, भूपसिंह, हवा सिंह, डॉ. बृजलाल, राममूर्ति, खूबराम, इन्द्रजीत, मांगेराम, बिमला आर्या आदि का विशेष योगदान रहा। यात्रा शेखुपुरिया के पश्चात् सिरसा के राजेन्द्रा इन्स्टीट्यूट में पहुंची और सैकड़ों छात्र एवं छात्राओं को संकल्प दिलवाया। ओम प्रकाश जी, राजेन्द्र सिंह एवं इन्द्रपाल आर्य ने व्यवस्था की। यात्रा मोरीवाल, जोधकां होती हुई फतेहाबाद राजकीय महाविद्यालय के पश्चात् गुरुकुल मताना दिग्गी पहुंची। ओम प्रकाश आर्य व ऋषिराज शास्त्री का विशेष योगदान रहा। यहां कॉलेज की छात्राओं के अतिरिक्त गुरुकुल के छात्राओं को संकल्प दिलवाया। संयोजन आचार्य हरिसिंह भूषन ने किया। फिर यात्रा रतिया, धारसूल कला, टोहाना होती हुई बिठमड़ा पहुंची। यहां भोजन के पश्चात् स्वामी श्रद्धानन्द जी के उद्बोधन के उपरान्त यात्रा दनौदा होती हुई नरवाना पहुंची। जहां आर्य समाज मंदिर में विभिन्न स्कूलों के छात्र एवं छात्राओं को स्वामी आर्यवेश जी ने संकल्प दिलवाया यहां की पूरी व्यवस्था प्रधान इन्द्रजीत आर्य, विजय आर्य, अश्वनी आर्य, अनिल आर्य सहित समस्त अधिकारियों ने संभाली। यहाँ से डूमरखां कलां, उचाना, बड़ौदा होती हुई यात्रा खटकड़ में पहुंची जहां यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यहां की व्यवस्था अशोक आर्य, मा. अजीत पाल, सुबेदार सेवा सिंह, राजेन्द्र शास्त्री, राजबीर फौज़ी, सत्यवान, बलराज, दरबेश, कर्मपाल आर्य, अनिल, दलबीर, सूसमल आर्य, विजय आर्य सहित आर्य युवक परिषद् के कार्यकर्ताओं ने संभाली। यहां पर सभी संन्यासियों एवं सभी बेटी बचाओ अभियान की कार्यकर्ताओं का सम्मान भी परिषद् की ओर से किया गया। फिर यात्रा महर्षि दयानन्द योग चिकित्सा आश्रम और उसके बाद इण्डस पब्लिक स्कूल पहुंची। जहां की सारी व्यवस्था स्वामी रामवेश जी व रणबीर राठी ने संभाली।

21 फरवरी, 2015 (यात्रा का आठवां दिन) : प्रात: महर्षि दयानन्द योग चिकित्सा आश्रम में यज्ञ के उपरान्त डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल में छात्र एवं छात्राओं को संकल्प दिलवाया गया। प्रिं. हरेश पांचाल ने सबका धन्यवाद किया। इस अवसर पर विजय जाजवान, डॉ. राजपाल, डॉ. पवन आर्य, धर्मवीर सरपंच, डॉ. हनीफ खान आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। जीन्द में रोड-शो के उपरान्त यात्रा पाण्डू पिण्डारा, होती हुई आर्य कॉलेज ऑफ एजूकेशन के प्रांगण

thearyasamaj.org

POSTED AT N.D.P.S.O., N.D.-01 On 27-28 फरवरी, 2015
प्रकाशन की तिथि : 26 फरवरी, 2015
वैदिक सार्वदेशिक
26 फरवरी से 4 मार्च, 2015
पंजीयन संख्या DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/15-17
Licence to Post without prepayment of Postage. [U (c)-289/2015-17]

प्रतिष्ठा में :-

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

में पहुंची यहां की व्यवस्था सज्जन राठी, डॉ. कुलबीर, प्रताप सिंह, कुलदीप, जयभगवान, रणवीर, नवीन, महेन्द्र, विरेन्द्र दुहन आदि ने संभाली। यात्रा यहां से डी. पी. एस. स्कूल ईशापुर खेड़ी, राजकीय विद्यालय नूरन खेड़ा पहुंची। श्री सी. पी. मलिक, चन्द्रभान आर्य ने व्यवस्था की। बुटाना में धज्जा राम मेमोरियल शिक्षण संस्थान, जनता बुटाना शिक्षण संस्थान में कार्यक्रम हुए। प्रधान सतपाल सांगवान व दलबीर ने व्यवस्था की। गीता विद्या मंदिर स्कूल बुटाना में अश्विनी जी ने संयोजन किया तथा रा. व. म. विद्यालय बुटाना में राजेन्द्र सिंह आर्य ने संयोजन किया। रा. व. मा. विद्यालय बड़ौता तथा मोहाना, विघल, बड़वासनी, पिनाना में रोड शो हुए। छोटू राम पब्लिक स्कूल रत्नगढ़ के हजारों छात्र एवं छात्राओं ने संकल्प लिया। उसके पश्चात् गीता विद्या महिला महाविद्यालय सोनीपत में संकल्प समारोह हुआ। संयोजन प्रिं. ज्योति जुनेजा ने किया। रा. व. मा. विद्यालय सोनीपत की हजारों छात्राओं को बहन प्रवेश आर्या ने संकल्प दिलवाया। फिर दून वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम हुआ। सोनीपत जिले के समस्त कार्यक्रमों का संयोजन प्रिं. आजाद सिंह ने किया तथा सहयोग राजेन्द्र चहल, मंजीत दहिया, डॉ. नरेश, बलराम आर्य, अमित, मनेन्द्र बांगड़, अंकित आर्य आदि का रहा। यात्रा सोनीपत से मुरथल होती हुई शिव पार्क गन्नौर पहुंची जहां आर्य समाज के अधिकारियों ने स्वागत किया। संयोजन प्रतापचन्द्र आर्य ने किया। फिर यात्रा मॉडल टाऊन पानीपत पहुंची जहां कार्यक्रम चला। यहां मुख्य रूप से महिला आर्य समाज व मुख्य समाज ने कार्यक्रम किया। बहन मधुबाला शास्त्री, सरिता आर्या, ओ. पी. गोयल, इन्द्रमोहन आहूजा, चमनलाल आर्य, सुमित्रा अहलावत, ईश्वर चौधरी, शशि अग्रवाल, कान्ता नागपाल, निशान्त आर्य आदि उपस्थित रहे। आर्य युवक परिषद् के प्रधान दीपक कथूरिया ने टोल बैरियर पर यात्रा का स्वागत किया। यहां से यात्रा खरकाली गांव में पहंची जहां पर संयोजन डॉ. यशवीर शास्त्री ने किया। यात्रा रात्रि लगभग 9 बजे मधुवन होती हुई करनाल के सैक्टर-6 के आर्य समाज में पहुँची जहां पर श्री लाजपत राय चौधरी, सतेन्द्र मोहन कुमार, स्वतन्त्र कुकरेजा, शान्ति प्रकाश आर्य, माता सावित्री देवी, ओ. पी. सचदेवा, रामफल आर्य, आनन्द सिंह, बलजीत आर्य, भोपाल सिंह, गजेन्द्र आर्य, चतर सिंह, सुदर्शन आर्य, श्रीमती प्रेम सहगल आदि ने यात्रा का अभूतपूर्व स्वागत किया।

22 फरवरी, 2015 (यात्रा का नौवा दिन) : प्रात: आर्य समाज मंदिर सैक्टर-6 में यज्ञ के उपरान्त विशेष कार्यक्रम चला जिसमें समस्त संन्यासियों सहित बहन पूनम व प्रवेश आर्या को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंच संचालन स्वतन्त्र कुकरेजा ने किया। स्वागत भाषण श्री सतेन्द्र मोहन कुमार जी तथा लाजपत राय चौधरी जी का रहा। स्वामी आर्यवेश, बहन पूनम आर्या, नीफा के चेयरमैन प्रीतपाल सिंह, पवन जी व दर्शन लाल जी ने अपने ओजस्वी विचार रखे। यहां से अगला कार्यक्रम असंध, राजौन्द, पाई में हुआ। यहां की व्यवस्था जयपाल आर्य, डॉ. होशियार सिंह, किरणपाल, पवन आर्य आदि ने संभाली। बणी आश्रम पुण्डरी में कार्यक्रम आयोजित हुआ। मंच संचालन राजपाल बहादुर ने किया तथा स्वामी बलेश्वरानन्द ने आशीर्वाद दिया। आश्रम की ओर से समस्त संन्यासियों का स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर मुकेश चौहान व जयकरण बरसाना भी उपस्थित थे। पूण्डरी के बाद यात्रा जाट शिक्षण संस्थान कैथल पहुंची जहां प्रधान दर्शन सरपंच की अगुवाई में यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। स्वामी आर्यवेश जी ने सभी को संकल्प दिलवाया। सारी व्यवस्था दर्शन सिंह सरपंच की देखेरेख में सत्यवीर आर्य, जगमति मलिक, मा. श्याम लाल, रेखा व सरदार बलदेव सिंह ने संभाली। कैथल से दाण्ड, पबनावा, मिर्जापुर होती हुई यात्रा यादव धर्मशाला कुरुक्षेत्र पहुंची। जहां पर डॉ. अतुल यादव व धर्मपाल गुप्ता ने कार्यक्रम का संयोजन किया। पीपली, लाडवा रादौर होती हुई यात्रा यमुनानगर पहुंची जहाँ/स्वामी सच्चिदानन्द, मोहित गर्ग, अनिल आर्य आदि ने व्यवस्था सम्भाली। रात्रि में वैदिक ज्ञान आश्रम में कार्यक्रम हुआ।

23 फरवरी, 2015 (यात्रा का अन्तिम दिन) : प्रात: आश्रम में यज्ञ के उपरान्त स्थानीय विधायक ने यात्रा को अपना समर्थन दिया। भाम्भौली आश्रम होती हुई यात्रा अम्बाला के राजकीय महाविद्यालय पहुंची जहां बहन पूनम आर्या ने संकल्प दिलवाया। फिर यात्रा पंचकुला होती हुई आर्य समाज सैक्टर-16 डी, चण्डीगढ़ में पहुंची। जहां पर यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। यहां डॉ. नरेन्द्र विवेक, सोमदेव शास्त्री, राजकुमार आर्य, विजय आर्य, अशोक आर्य, उमेश आर्य आदि ने विशेष सहयोग किया। आर्य समाज के सभी पदाधिकारियों ने विशेष सहयोग किया।

यहीं पर हरियाणा की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री कविता जैन भी पधारी उनको मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री महोदय के पास ये सब मांगे पहुंचा दी जायेगी।

उसके बाद महामहिम राज्यपाल की मुख्य सचिव श्रीमती नीलम कासनी जी भी कार्यक्रम में पहुंची। उनको स्वामी आर्यवेश जी व अन्य अधिकारियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया।

स्वामी आर्यवेश जी ने सभी का हार्दिक धन्यवाद किया। यात्रियों का भी और अतिथियों का भी। इस अवसर पर यात्रा में साथ चले सभी यात्रियों का सम्मान भी किया गया।

विशेष धन्यवाद :-

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने इस पूरे कार्यक्रम में सहयोग के लिए सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। परन्तु जिन स्थानों पर रात्रि ठहराव, रात्रि भोजन, दोपहर भोजन की व्यवस्था थी उनका विशेष आभार प्रकट किया है :-

1. पलवल के सभी साथियों का हार्दिक धन्यवाद।
2. फरीदाबाद में रात्रि पड़ाव व भोजन की सुन्दर व्यवस्था के लिए सभी पदाधिकारियों का।
3. बादशाहपुर के सभी पदाधिकारियों का।
4. जैनाबाद में भोजन व्यवस्था के लिए प्रो. श्योताज सिंह, राजेश एवं सुरेन्द्र सिंह यादव का हार्दिक धन्यवाद।
5. गाहड़ा में रात्रि पड़ाव की व्यवस्था के लिए श्री मुकेश जी का धन्यवाद।
6. सुरहेती में दोपहर भोजन की व्यवस्था के लिए रामपाल शास्त्री का विशेष धन्यवाद।
7. जूई में रात्रि पड़ाव व भोजन व्यवस्था के लिए बाबूलाल, बन्सीलाल, मा. सत्यनारायण का विशेष धन्यवाद।
8. बीट्स के निदेशकों ओम प्रकाश बहलवाला एवं शशि परमार जी का हार्दिक आभार।
9. झज्जर स्थित देशवाल फूड प्वाइंट पर सुन्दर भोजन व्यवस्था हेतु चौ. जसवन्त देशवाल जी का हार्दिक आभार।
10. टिटौली में सुन्दर व्यवस्था के लिए रामचन्द्र ठेकेदार, पं. राजबीर वशिष्ठ, डॉ. नारायण सहित सभी का हार्दिक आभार।
11. खरकड़ा में दोपहर भोजन की व्यवस्था के लिए बबरूभान अहलावत व महाशय कर्मवीर जी का हार्दिक धन्यवाद।
12. हिसार में सुन्दर आवास व भोजन व्यवस्था के लिए चौ. हरि सिंह सैनी, चौ. बदलूराम, सेठ बजरंग लाल जी व देवेन्द्र सैनी का आभार।
13. गुरुकुल धीरणवास में भोजन व्यवस्था के लिए स्वामी सर्वदानन्द एवं पूरी कार्यकारिणी का हार्दिक धन्यवाद।
14. सिरसा में आवास एवं भोजन व्यवस्था के लिए जगदीश सींवर, राजेन्द्र चाडीलाल, इन्द्रपाल आर्य एवं आचार्य परमजीत का हार्दिक आभार।
15. बिठमड़ा में दोपहर भोजन की व्यवस्था के लिए डॉ. भौमसिंह आर्य, डॉ. आर. के. सिंह देवेन्द्र सिंह आदि सभी का हार्दिक आभार।
16. खटकड़ में भोजन व्यवस्था के लिए मा. अजीत पाल, अशोक आर्य एवं सुबेदार सेवा सिंह आदि का विशेष आभार।
17. जीन्द में इण्डस स्कूल एवं स्वामी रामवेश द्वारा आवास व्यवस्था हेतु हार्दिक आभार।
18. दून स्कूल सोनीपत में भोजन व्यवस्था हेतु प्रिं. आजाद सिंह का आभार।
19. करनाल में सुन्दर आवास व भोजन व्यवस्था हेतु लाजपतराय चौधरी, सतेन्द्र मोहन कुमार, स्वतन्त्र कुकरेजा, सैक्टर-6 के सभी अधिकारियों सहित तमाम सहयोगियों का आभार।
20. पुण्डरी में भोजन व्यवस्था हेतु स्वामी बलेश्वरानन्द एवं राजपाल बहादुर जी का आभार।
21. यमुनानगर में सुन्दर आवास एवं भोजन व्यवस्था हेतु स्वामी सच्चिदानन्द एवं मोहित गर्ग का हार्दिक आभार।
22. सैक्टर-16 डी, चण्डीगढ़ में भोजन व्यवस्था हेतु तमाम सहयोगियों का विशेष आभार।

सभी कार्यक्रमों में जलपान व अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए सभी का कोटिश: आभार।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व में निकाली गई प्रान्तीय बेटी बचाओ जन-चेतना यात्रा में पूरा समय देकर साथ चलने वाले यात्रियों की सूची

संन्यासीगण

1. स्वामी चन्द्रवेश जी - टिटौली
2. स्वामी दिव्यानन्द-हरिद्वार
3. स्वामी रामवेश जी-जीन्द
4. स्वामी श्रद्धानन्द जी-पलवल
5. स्वामी विश्वानन्द जी-आगरा
6. स्वामी चेतनानन्द जी-राजस्थान
7. स्वामी शान्तिवेश जी-टिटौली आश्रम
8. स्वामी सोम्यानन्द जी-मथुरा
9. स्वामी आत्मानन्द जी-पलवल
10. महात्मा नन्दमुनि जी-दिल्ली
11. स्वामी राजेश्वरानन्द जी-दिल्ली
12. स्वामी सोमानन्द जी-म. प्र.
13. स्वामी सत्यवेश जी-गाजियाबाद

आर्य नेता एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता

1. सर्वश्री विरजानन्द एडवोकेट - राजस्थान
2. रामपाल शास्त्री-महेन्द्रगढ़
3. महेन्द्र सिंह शास्त्री-गुड़गांव
4. ब्र. रामफल आर्य-उत्तर प्रदेश
5. आचार्य सन्तराम-टिटौली आश्रम
6. वैद्य धर्मपाल आर्य-झज्जर
7. मेघराज आर्य-पलवल
8. राजवीर वशिष्ठ-रोहतक
9. डॉ. नारायण सिंह-रोहतक
10. ब्र. सहसरपाल आर्य-उत्तर प्रदेश
11. रामफल कुण्डू-रोहतक
12. राजेन्द्र सिंह-रोहतक
13. जय भगवान-रोहतक
14. रणसिंह-भिवानी
15. आनन्द आर्य-टिटौली आश्रम
16. निशान्त आर्य-टिटौली आश्रम
17. धर्मप्रिय आर्य - टिटौली आश्रम
18. अवनीश आर्य-गाजियाबाद
19. अमित आर्य-पलवल
20. नफे सिंह आर्य-फरमाणा
21. भोप सिंह आर्य-फरमाणा
22. ईश्वर सिंह आर्य-हिसार
23. बलजीत आर्य-हिसार
24. जितेन्द्र आर्य-बम्बई
25. गंगा बिशन आर्य-गाजियाबाद

आर्य युवक परिषद् हरियाणा के अधिकारी

1. ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य-प्रधान
2. सज्जन राठी-उपप्रधान
3. अजयपाल आर्य-कोषाध्यक्ष
4. आजाद सिंह-उपप्रधान
5. प्रदीप आर्य-उपप्रधान
6. जितेन्द्र आर्य-उपप्रधान
7. अशोक आर्य-अन्तरंग सदस्य
8. सोनू आर्य-अन्तरंग सदस्य
9. सतेन्द्र कुमार-अन्तरंग सदस्य

बेटी बचाओ अभियान की टीम

1. बहन पूनम आर्या-प्रधान
2. बहन प्रवेश आर्या-संयोजक
3. कु. शशि आर्या-सदस्य
4. किरण आर्या-सदस्य
5. इन्दु आर्या-सदस्य
6. पूजा आर्या-सदस्य
7. मोनिका आर्या-फरमाणा-सदस्य
8. मोनिका आर्या-गोहाना
9. पूनम आर्या-महम
10. पूजा आर्या-महम
11. मनीषा आर्या
12. कीर्ति आर्या
13. संगीता आर्या
14. रीमा आर्या
15. सीमा आर्या
16. एकता आर्या
17. ज्योति आर्या
18. अनीता आर्या
19. दीप्ती आर्या
20. निशा आर्या
21. अन्नू
22. मुकेश आर्या
23. राजकुमारी
24. दर्शना

अन्य युवक

1. सोनू कुमार
2. संजय कुमार
3. कृष्ण कुमार
4. सुनील कुमार
5. दीपक कुमार
6. सतपाल सिंह-वीडियोग्राफर
7. टपेन कुमार-फोटोग्राफर
8. अनिल

इनके कन्धों पर रहा भार : स्वामी आर्यवेश जी के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में चल रहे इस यात्रा को सफल बनाने में जिनका योगदान सबसे ज्यादा रहा उनमें बहन पूनम आर्या, बहन प्रवेश आर्या, बिरजानन्द एडवोकेट, सज्जन राठी, अजयपाल, मा. प्रदीप, आजाद सिंह पुनिया, अशोक आर्य, सोनू आर्य, जितेन्द्र आर्य मुख्य रहे इनका भी विशेष आभार प्रकट करते हैं। इस पूरी यात्रा में प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले तमाम सहयोगियों का आभार प्रकट करते हैं चाहे वो आर्य समाज के संगठन हों, अन्य सामाजिक संगठन हों, प्रशासनिक अधिकारी हों, सरकार हो या अन्य सहयोगी संस्थाएं।

- ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य, संयोजक, जन-चेतना यात्रा

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com

वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।